कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट
देवरी रोड भाटापारा

श्री रामनारायाण शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित

श्यामा

नवम् संस्करण

सत्र 2024-2025

Email Id- kksitbhatapara@gmail.com Website- kksit.co.in

KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE
DEORI ROAD BHATAPARA 493118

AFFILIATED BY - PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)

Why our College – We welcome the aspirant students to our college, where we do not produce just graduates, But induce in them the social skills required in a good citizen

Course Available

B.Com
(Finance, Marketing,)
Commuter Application

B.A.
(History, Sociology, Hindi, Literature)

B.Sc.
(Chemistry, Botany , Zoology)

B.C.A.

D.C.A.

P.G.D.C.A.

B.Ed.

Our Speciality

- Well experienced faculty from the institute
- Outstanding infrastructure
- Personalized Attention
- Affordable Fee Structure
- Scholarship Facilities
- Canteen, well secured Campus and parking facilities

Mobile No:- 7000965887, 9826119418, 9630736193
Website- www.kksit.co.in , Email-ID – kksibhatapara@gmail.com

जयति जय जय मां सरस्वती, जयति वीणा धारिणी ॥

जयति पद्मासना माता, जयति शुभ वरदायिनी ।

जयति जय जय मां सरस्वती, जयति वीणा धारिणी ॥

जगत का कल्याण कर मां, तुम हो वीणा वादिनी।

जयति जय जय मां सरस्वती, जयति वीणा धारिणी ॥

कमल आसन छोड़कर आ, देख मेरी दुर्दशा मां ।

जयति जय जय मां सरस्वती, जयति वीणा धारिणी ॥

ज्ञान की सरिता बहा मां, हे सकल जगतारणी ।

जयति जय जय मां सरस्वती, जयति वीणा धारिणी ॥

श्री रामनारायाण शिक्षण संस्थान प्रबंधन समिति सदस्य

अध्यक्ष

श्री मनीष शुक्ला

उपाध्यक्ष

श्री कौस्तुभ शुक्ला

सचिव

श्रीमति अंजली शुक्ला

श्री राकेश गुप्ता (कोषाध्यक्ष)

रेणु शाह संयुक्त (सचिव)

श्री बंसत मिश्रा (सदस्य)

श्री दिनेश मिश्रा (सदस्य)

सत्र- 2023-24

'श्यामा........

(इंस्टीट्यूट की हृदयात्मक पत्रिका)

संपादक

डॉ.वंदना चौहान (प्राचार्य)

सलाहकार समिति

श्री वैभव गुप्ता ,श्रीमति पूर्णिमा कौशिक, सुश्री नेहा सिंह, सुश्री अनुपमा उमरे, सुश्री भावना हेंयार , डॉ. डॉली अहीर , डॉ.कबिता तिवारी , श्रीमति सुमिता बेरा, श्रीमति नबमिता माईति, श्रीमति शबीना कौशर, श्रीमति अर्चना धोते ,श्रीमति सुषमा दुबे , श्री प्रवीण बिस्वास, सुश्री सरोजनी वर्मा, सुश्री वंदना मसीह, श्रीमति प्रमिला शर्मा, श्री अजय कुमार

छात्र संपादक मण्डल...........

भैयाराम , हेमा, ज्योति , शैलेन्द्र वर्मा , प्रियांशु

टंकन एंव ग्रॉफीक्स

श्री मोरजध्वज जयसवाल, श्री गौकरण यादव, श्री राकेश बघेल

About of the College-

Welcome to Kamlakant Shukla Institute

Kamlakant Shukla institute is the only one Teacher's-Education college in Baloda Bazar district. The Famous for providing higher Education and quality education to the students of rural and distant areas. College was established in the year 2012 by Shri Manish Shukla along with his respected father Late. Shri Kamlakant Shukla was in the memory run by the leading and reputed educational society Shri Ramnarayan Shikshan Samiti.

To College is affiliated to Pandit Ravishankar Shukla University Raipur and recognized by NCTE & Higher Education Department (Chhattisgarh Govt.)

The College is Completing 10 years of service in the field of Higher Education for the village students. The College has adequate facilities like Classroom, Library, Computer laboratory, Curriculum laboratory, ICT Lab, Smart Class Room, WI-Fi Campus, Resource Centre, Health and Physical Education Resource Centre, Multipurpose Hall, Playground etc.

The Course offered by our college are B.Ed., PGDCA, DCA, B.A , B.Sc. BCA, B.Com (with Computer Application).

The motto and main objective of the college is "Education is the Supreme Power" according to which, the aim is to provide Higher Education , Philosophical, development & self dependent teacher-educator , moral, cultural , professional, development of rural students through various types of activities along with regular teaching –learning curriculum and to develop them properly by making them skilled and self-reliant responsible citizens.

Vision of the College-

The Vision of the college is to provide quality Higher Education to the promising students especially from the rural areas and to yield a talent teacher educator by gathering skills and intelligence important role in the field of education and face all the challenges .

Mission of the College-

- **ज्ञानं परंम् बलम** Is mission of our college become philosophical development, physical & mental development is done by knowledge.
- Provided higher education to all village children's.
- Developed skilled and self dependent teacher-educator.
- To provided moral, Cultural professional development of students through various activities.

स्व.श्री पं. रामनारायाण बृजभुषणलाल शुक्ल

स्व.श्री पं. कमलाकांत रामनारायाण शुक्ल

स्व.श्रीमति श्यामादेवी शुक्ला जी

****

शिवरतन शर्मा

सदस्य, प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम
विधानसभा, छत्तीसगढ़
उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़

निवास :
सुभाष वार्ड, भाटापारा
जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) पिन 493 118
मों. 94252-06885, 98261-06885
E-mail. : shivratansharma.bjp@gmail.com

अर्द्ध शास.पत्र क्र. 440/25 /अ.वि.स.—
भाटापारा, दिनांक 05/02/2025

(संदेश)

—000—

यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि **कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट,** देवरी रोड भाटापारा द्वारा गत वर्ष की अपनी वार्षिक पत्रिका **"श्यामा"** नवम् संस्करण का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में विभिन्न विषय विशेषज्ञों, पत्रकारों, साहित्यकारों व लेखकों के लेख प्रकाशित किये जाएंगे। पत्रिका में महाविद्यालय की गतिविधियों की जानकारी, विभिन्न समसायिक विषयों पर आधरित लेख, कहानी कविता, सामान्य जानकारियां व महत्वपूर्ण जानकारियां का भी प्रकाशन किया जायेगा। पत्रिका के माध्यम से ही महाविद्यालय की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की महत्वपूर्ण जानकारी व संस्कृति, धार्मिक तथा पारम्परिक रीति–रिवाजों का ज्ञान पाठकों एवं आम जनमानस को सहजता से प्राप्त हो सकेगी।

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट, देवरी, रोड भाटापारा के द्वारा प्रकाशित पत्रिका **"श्यामा["]**नवम् संस्करण के सफल प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(शिवरतन शर्मा)

पं.क्र. : छ.ग. राज्य 2525

फोन : 07726-222489
मो. : 98261-19418

श्री रामनारायण शिक्षण संस्थान

राजीव गांधी काम्पलेक्स के सामने, हथनीपारा, भाटापारा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक 12 दिनांक :

अध्यक्ष की कलम से ....

सबका जीवन लक्ष्य एक हो, हृदय और मन एक हों ताकि हम परस्पर मिलकर जीवन में उस एक लक्ष्य को प्राप्त करें जो समन्वय और सहयोग की भावना से अनुप्राणित हो। कुछ भी बनने से पूर्व हम मनुष्य बनें और बनाये।

वार्षिक पत्रिका ''श्यामा् '' नवम् संस्करण को एक नये कलेवर में सादगी से सजाकर आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। यह हार्दिक प्रसन्नता का विषय हैं। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी ''श्यामा् '' नवम् संस्करण का प्रकाशन शैक्षणिक, समृद्धता, अर्थगाम्भीर्यता युक्त हो, ऐसी मै आशा करता हूँ।

मैं माँ सरस्वती का वरदहस्त प्राप्त करने वाले महाविद्यालय के प्राचार्य, संपादक, संपादक मण्डल के सभी सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

Manish Shukla

अध्यक्ष
श्री मनीष शुक्ला
श्रीरामनारायाण शिक्षण संस्थान

पं.क्र. : छ.ग. राज्य 2525

फोन : 07726-222489
मो. : 98261-19418

श्री रामनारायण शिक्षण संस्थान

राजीव गांधी काम्पलेक्स के सामने, हथनीपारा, भाटापारा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक 12 दिनांक :

सचिव की कलम से ....

मेरे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारा महाविद्यालय प्रति वर्ष वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करता है। पत्रिका महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है । महाविद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ साथ छात्र छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियां वर्ष पर्यंत चलती रहती हैं । इस पत्रिका के माध्यम से आप अवगत हो सकेंगे कि महाविद्यालय में एनसीसी, खेलकूद एवं विभिन्न कौशलों के विकास के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता है, जिसमें विद्यार्थी भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभा को निखारते हैं ।

मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे एवं समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएँगे।

Anjali Shukla

सचिव
श्रीमति अंजली शुक्ला
श्रीरामनारायाण शिक्षण संस्थान

पं.क्र. : छ.ग. राज्य 2525

फोन : 07726-222489
मो. : 98261-19418

श्री रामनारायण शिक्षण संस्थान

राजीव गांधी काम्पलेक्स के सामने, हथनीपारा, भाटापारा, जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

क्रमांक 12 दिनांक :

उपाध्यक्ष की कलम से ....

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड भाटापारा वार्षिक पत्रिका ''श्यामा् '' नवम् संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है। इस हेतु समस्त प्रकाशन मण्डल को हार्दिक बधाई। इससे जहाँ एक ओर नवोदित रचनाकारों की सृजनशीलता को प्रोत्साहन मिलता है, वहीं दूसरी ओर संस्था द्वारा सृजित और संकलित ज्ञान और सूचनाओं को कहलेज तथा उसकी सीमाओं के बाहर भी विस्तारित करने में मदद मिलती है, साथ ही पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थियों को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का सुअवसर प्राप्त होगा।

मुझे विश्वास है कि पत्रिका ''श्यामा् '' नवम् संस्करण में ऐसी महत्वपूर्ण एवं रोचक पाठ्य सामग्री का प्रकाशन किया जायेगा, जिससे छात्र-वर्ग के जीवन-दर्शन, कार्य-संस्कृति ओर अध्ययन-रूचि में अभिवृब्दि होगी।

मैं, पत्रिका ''श्यामा् '' नवम् संस्करण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

उपाध्यक्ष
श्री कौस्तुभ शुक्ला
श्रीरामनारायण शिक्षण संस्थान

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट

देवरी, खोलवा रोड, भाटापारा
जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
मोबाईल : 7489095008, 9826119418

क्रमांक   दिनांक..................

प्राचार्य की कलम से ....

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड भाटापारा १२ वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में

महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं महाविद्यालय २०१२ से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं के लिये उच्च शिक्षा प्रदान करने हेतु निंरतर व्यवासायिक कौशल पूर्ण पाठ्यक्रम महाविद्यालय में लाने का कार्य कर रहा हैं। महा. विद्यालय ने २०१२ में **B.Ed. PGDCA , DCA, BCA , B.com.** पाठ्यक्रम संचालित किया। २०२१ में महाविद्यालय **B.A. B.Sc, B.com. Computer Science** प्रारंभ किया गया। ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग हेतु शिक्षा मुहैया कराने हेतु अग्रसर हैं वर्तमान में महाविद्यालय छात्रों को स्नातकोत्तर डीग्री उपलब्ध कराने हेतु **M.Sc, (Botany)** एंव पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन हॉटल मैनेजमेंट प्रारंभ करने की तैयारी कर रहे ताकि छात्रों को अपने निवास स्थान पर ही अच्छी उन्नत शिक्षा प्राप्त हो सकें। महाविद्यालय में विभिन्न पाठ्यचर्चा गतिविधियां जैसे NSS, रेडक्रॉस, उन्नत भारत सांस्कृतिक क्रार्यक्रम , छत्तीसगढ़ी नृत्य , नाटक , सामाजिक गतिविधियां , आनंद मेला , मॉडल प्रदर्शनियां एंव आध्यात्मिक गतिविधियां , गीता पाठ् , हनुमान चालीसा , सरस्वती पूजा आदि का भी आयोजन किया जाता रहा हैं। नेतृत्व कौशल हेतु सेमिनार , कार्याशाला का आयोजन किया जाता रहा हैं। महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं की मेंरिट में उपलब्धियां भी हमें गौरान्वित करती हैं।

प्राचार्य
PRINCIPAL
कमलाकांत शुक्ला इंस्टीटयूट
KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE
देवरी रोड भाटापारा
BHATAPARA (C.G.)

संपादक की लेखनी ....

''श्यामा् '' नवम् संस्करण पत्रिका का संपादन करते हुयें मुझे हर्ष हैं कि मैं अपने विद्यार्थीयों एंव शिक्षकों के नये आयामों , विचारों , अभिव्याक्ति से अभिभूत हो पा रही हूॅ।

''श्यामा् '' नवम् संस्करण पत्रिका का शिक्षा के क्षेत्र में की गई गतिविधियों का समानन हैं। इस पत्रिका में छात्रों की उपलब्धियों का विवरण हैं नवप्रवेशित छात्रों को पत्रिका के माध्यम से भूतपूर्व में अध्ययनरत छात्रों की गतिविधियों एंव ज्ञान से अवगत होने का सुअवसर प्राप्त हो पा रही हैं। महाविद्यालय में नवीन उपलब्ध्यिों को परिशिक्षित करने में सक्षम हो पा रही हूँ। पत्रिका के माध्यम से विद्यार्थीयों की सृजानात्मकता क्षमता , लेखन शैली में भी सुधार हो रहा हैं। पत्रिका के माध्यम से महाविद्यालय ज्ञान के सागर में एक बूंद का कार्य करने में अमृत्व का अनुभव कर रहा हैं। मैं पत्रिका के प्रकाशन में श्री रामनारायण शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष श्री मनीष शुक्ला एंव सभी सदस्यगण महाविद्यालय के प्राध्यापकगण , आफिस स्टॉफ , विद्यार्थीयों एंव टंकनकर्ता को धन्यवाद देती हूँ एंव भविष्य की शुभकामनाएं।

डॉ. वंदना चौहान
कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट
देवरी रोड भाटापारा

शैक्षणिक पाठ्यक्रम -

1. बी.एड.
2. बी.ए.
3. बी.कॉम
4. बी.एस.सी.
5. बी.सी.ए.
6. पीजीडीसीए
7. डीसीए

प्रस्तावित पाठ्यक्रम :- एम.एस.सी. (वनस्पति शास्त्र)

पोस्ट ग्रेजुएशन इन होटल मैनेजमेन्ट

समाचार –पत्रिका 2024–25

पत्रिका

सम्मेलन में 2018 से 2024 तक के भूतपूर्व छात्र सम्मिलित हुए

भाटापारा में भूतपूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित

भाटापारा : एथिकल हैकिंग पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में रक्त समूह जांच कैंप लगा

भाटापारा @ पत्रिका. कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड भाटापारा में संचालित रेड क्रॉस सोसायटी के तहत नवप्रवेशित सभी छात्र छात्राओं के लिए रक्त समूह कैंप का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में ... के रूप में सिविल हॉस्पिटल की विशेषज्ञ वंदना वर्मा द्वारा छात्रों का रक्त परीक्षण कर जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम इंस्टीट्यूट के संचालक मनीष शुक्ला व प्राचार्य वंदना चौहान के तत्वाधान में रेड क्रॉस सोसायटी व राष्ट्रीय सेवा ...

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट मे पौधरोपण

भाटापारा। कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट में राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत पौधा रोपण अभियान आयोजित किया गया जिसमें नीम, गुलमोहर, कोईनार सहित अनेक प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में चेयरमैन मनीष शुक्ला, प्राचार्य वंदना चौहान व भावना ठेंगर के अलावा ग्राम पंचायत खोलवा के उप सरपंच लखन धुव सहित काफी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान संकल्प लिया गया कि जिस प्रकार हम आज पौधों का रोपण कर रहे है उसी प्रकार इनकी सुरक्षा भी हम करेंगे।

भारतीय शिक्षा पद्धति में भी पर्यावरण शिक्षा पर हुई चर्चा

पर्यावरण शिक्षा एवं संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।

भास्कर न्यूज | भाटापारा

स्थानीय कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड में नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में पर्यावरण शिक्षा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अमित ... संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो. आशीष दुबे, डॉ. कमलेश शुक्ला, डॉ. अब्दुल सत्तार, डॉ. सुनीता त्यागी, डॉ. भुपेन्द्र साहू एवं डॉ. नवनीत द्विवेदी की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी गणमान्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक योगदान, भारतीय शिक्षा ...

पर्यावरण शिक्षा संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

भाटापारा @ पत्रिका. कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड भाटापारा में नई शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में पर्यावरण शिक्षा विषय पर 17-18 जनवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अमित तिवारी, सीनियर रिसर्च फेलो, एमपी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईंस रिसर्च, विशेष अतिथि के रूप में प्रो. शैलेन्द्र पटेल कुलसचिव पं. रविवि रायपुर एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. आर प्रसाद प्राध्यापक अर्थशास्त्र विभाग पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रो आशीष दुबे, डॉ. कमलेश शुक्ला, डॉ. भुपेन्द्र साहू एवं डॉ. नवनीत द्विवेदी की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं शिक्षा के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक योगदान, भारतीय शिक्षा पद्धति में पर्यावरण शिक्षा की विरासत पर विस्तार से चर्चा की गई। संगोष्ठी के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण प्रदूषण एवं संरक्षण हेतु शिक्षा के माध्यम से लोगों को जागरूक करने हेतु किये जा रहे प्रयासों पर केन्द्रित था। जिस पर पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण का स्वास्थ्य पर प्रभाव अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण में स्वदेशी ज्ञान की भूमिका आदि विभिन्न उप विषयों पर शोध पत्रों का वाचन संगोष्ठी में तकनीकि सत्र के माध्यम से ...

छात्र दिगेश्वर ने विवि की मेरिट सूची में पंचम स्थान पर रहे

भाटापारा @ पत्रिका. कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट देवरी रोड भाटापारा में अध्ययनरत छात्र दिगेश्वर साहू पिता दुलेश कुमार साहू ने डीसीए (डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन) की परीक्षा में 75.42 प्रतिशत अंक के साथ पं. रविशंकर शुक्ल विवि रायपुर मेरिट सूची में पंचम स्थान प्राप्त किया है। यह कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट के लिए गौरव की बात है।

महाविद्यालय की छात्रा नेहा वर्मा को पीजीडीसीए 77.7 प्रतिशत और कुमारी नेहा सिंह को 75.02 प्रतिशत अंक के साथ विश्वविद्यालय से डिस्टेंशन प्राप्त हुआ है। महाविद्यालय में पीजीडीसीए का परीक्षा परिणाम 90 प्रतिशत रहा। सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान) वैभव गुप्ता के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला धनेली सरपंच सुशीला दिलीप यादव के समक्ष 78वें स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में शील्ड और पौधा प्रदान कर सम्मान किया गया महाविद्यालय के संचालक मनीष शुक्ला, प्राचार्य डॉ वंदना चौहान और समस्त स्टाफ ने छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संविधान की शपथ ली विद्यार्थियों ने

भाटापारा @ पत्रिका. कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट के छात्र-छात्राओं द्वारा संविधान दिवस के अवसर पर स्मरणोत्सव के अवसर पर सभी सहायक प्राध्यापक के साथ साथ छात्र-छात्राओं द्वारा उद्देशिका वाचन कर संविधान शपथ ग्रहण किया गया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय के संचालक द्वारा संविधान में हमारे मौलिक अधिकार एवं कर्तव्यों को बताया गया। इसी कड़ी में महाविद्यालय की प्राचार्य ने द्वारा भाषण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में सभी शिक्षक छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पोस्टर स्पर्धा आयोजित की गई

भाटापारा @ पत्रिका. कमलाकांत शुक्ला महाविद्यालय में रेडक्रॉस सोसायटी और राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत विश्व एड्स दिवस के अवसर पर पोस्टर, स्लोगन लेखन स्पर्धा का आयोजन किया गया। साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता शपथ, एड्स का प्रतीक चिन्ह, नारा वाचन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं व स्वयं सेवक प्रतिभागी के रूप में भाग लिए।

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761188°
Long 81.937383°
03/07/24 12:16 PM GMT +05:30
Google

Suma, Chhattisgarh, India
Lat 21.771166°
Long 81.913857°
13/07/24 01:14 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Suma, Chhattisgarh, India
Bhatapara Bypass Rd, Suma, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.770184°
Long 81.909812°
13/07/24 12:44 PM GMT +05:30
Google

KAMLAKANT SHUKLA INSTIYUSTE
DEORI ROAD BHATAPARA
National Service Scheme
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761145° Long 81.937175°
GMT +05:30
Google

Kholwa, Chhattisgarh, India
QW4Q+233, Kholva Rd, Kholwa, Chhattisgarh 493118, In
Lat 21.754528° Long 81.937524°
GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761188°
Long 81.937383°
03/07/24 12:16 PM GMT +05:30
Google

QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.760984° Long 81.937268°
GMT +05:30
Google

Bhatapara, Chhattisgarh, India
Google

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
Google

Balodabazar
Bhatapara,CT,भारत

Balodabazar
Bhatapara,CT,भारत

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761214°
Long 81.937352°
14/09/24 01:27 PM GMT +05:30
Google

KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE
DEORI ROAD BHATAPARA
GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761133°
Long 81.937402°
14/09/24 01:18 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.760999°
Long 81.937281°
14/09/24 01:17 PM GMT +05:30
Google

Khotwa, Chhattisgarh, India
Google

Balodabazar
Bhatapara,CT,भारत

Balodabazar
Bhatapara,CT,भारत
Bhatapara, Balodabazar Bhatapara, 493118, CT, भारत
Lat 21.760795, Long 81.937591
10/01/2024 11:27 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

Balodabazar
Bhatapara,CT,भारत
Bhatapara, Balodabazar Bhatapara, 493118, CT, भारत
Lat 21.761327, Long 81.937324
09/28/2024 01:55 PM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

Bhatapara, Chhattisgarh, India
Google

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
Kamlakant shukla institute deori raod QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761095°
Long 81.937298°
17/10/24 12:31 PM GMT +05:30

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट
रोड, भाटापारा
GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.760965°
Long 81.937229°
19/10/24 11:57 AM GMT +05:30

राष्ट्रीय सेवा योजना
GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
PWRX+78J, Sadar Bazar Rd, Nehru Ward, Sadar Bazaar, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.740732°
Long 81.948396°
19/10/24 12:59 PM GMT +05:30

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.760999°
Long 81.937203°
21/10/24 02:50 PM GMT +05:30

राष्ट्रीय सेवा योजना
GPS Map Camera
Kadar, Chhattisgarh, India
RX2H+X9J, Kadar, Chhattisgarh 493118, India

Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India

GPS Map Camera
Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761348°
Long 81.937179°
25/11/24 02:06 PM GMT +05:30

Bhatapara, Chhattisgarh, India
QW6P+FM4, Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India

भाटापारा, छत्तीसगढ़, भारत
Kamlakant shukla institute Deori , भाटापारा, छत्तीसगढ़ 493118, भारत
Lat 21.760991° Long 81.937015°
16/12/24 02:51 PM GMT +05:30
Google

भाटापारा, छत्तीसगढ़, भारत
Lat 21.760991° Long 81.937015°
19/12/24 10:00 AM GMT +05:30
Google

Bhatapara, Chhattisgarh, India
Kamlakant Shukla Institute Deori road Bhatapara Qw6p+fm4,
Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761058° Long 81.937203°
20/12/24 11:36 AM GMT +05:30

Bhatapara, Chhattisgarh, India
Kamlakant Shukla Institute Deori road Bhatapara Qw6p+fm4,
Bhatapara, Chhattisgarh 493118, India
Lat 21.761058° Long 81.937203°
20/12/24 11:21 AM GMT +05:30

KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE BHATAPARA
ANNUAL
SPORTSMEET
VISION VIBES 2024

KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE
DEORI ROAD BHATAPARA

CONTEXT OF
EDUCATION POLICY 2020
17-18 JANUARY 2025

DEORI ROAD,
NATIONAL SEMINAR

ON
KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE
DEORI ROAD BHATAPARA

KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE DEORI ROAD BHATAPARA

Top 3 Students Session 2022-24 B.Ed Students

VAGISHA MISHRA	**SAKSHI THAKUR**	**AANCHAL MISHRA**
82.29 %	**82.17 %**	**81.94 %**

Top 3 Students Session 2023-24 PGDCA Students

NEHA VERMA	**NEHA SINGH**	**KHUSHBOO DEWANGAN**
77.7 %	**75.2%**	**74.5%**

Top 3 Students Session 2023-24 DCA Students

DIGESHWAR SAHU	**DULARI**	**DEEPAK**
75.42%	**69.75%**	**68.65%**

Top 3 Students Session 2023-24 BCA III Year Students

ANJALI MANIKPURI
68.6 %

Top 3 Students Session 2023-24 B.Com III Year Students

YASHASHVI SAHU	**DOLVINA BANJARE**	
56.00 %	**49.39 %**	

Top 3 Students Session 2023-24 B.Sc. III Year Students

RIYA VERMA
70.94 %

Top 3 Students Session 2023-24 B.A. III Year Students

DIVYA GANVEER
67.11 %

कमलाकांत शुक्ला इंस्टीट्यूट
देवरी रोड भाटापारा
श्री रामनारायाण शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्राविण्य सूची में चयनित विद्यार्थी

क्र.	छात्र–छात्राओं के नाम	स्थान	कक्षा	प्रतिशत	सत्र
01	डिगेश्वर साहू	पंचम	डीसीए	75.42	2023–24
02	कु. नेहा वर्मा	दसवां	पीजीडीसीए	77.7	2023–24
03	नेहा सिंह	ग्यारवां	पीजीडीसीए	75.02	2023–24

राष्ट्रीय सेवा योजना

8 जुलाई 2024 महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रारभ हुआ। महाद्यिालय में सहायक प्राध्यापिका सुश्री भावना हेंवार कार्यक्रम अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं जिनके मार्गदर्शन में सभी छात्र छात्राएं एक स्वंय सेवक के रूप में सभी कार्यों जो एनएसएस में संचालित होगें सभी करेंगें।

INDIAN RED CROSS SOCIETY

ABOUT-

The Indian Red Cross Society CIRCES is a voluntary International Organization. which was founded in 1863 by Henry Dunant to Provide as assistance to the wounded and Victims on the Battlefield

YOUTH RED CROSS SOCIETY OF KAMLAKANT SHUKLA INSTITUTE

INTRODUCTION-

The youth red cross. Society of the Institute was, Established in DATED 22-07-2024 with the Objective of awareness toward Social Responsibility among the youth. under the guidance of the Director of the Institute Mr. Manish Shukla Principal Dr. Vandana Chauhan and Supervision of & Asst. Professor- InCharge. So that human Suffering can be minimized and fervent the through Various Disease. The Institute realized the Importance of the diverse roles Played by the youth.

The society's mission on is Providing social help and organized various activities such First Aid treatment awareness Program Blood screening workshop Hospital and Orphanage visits.

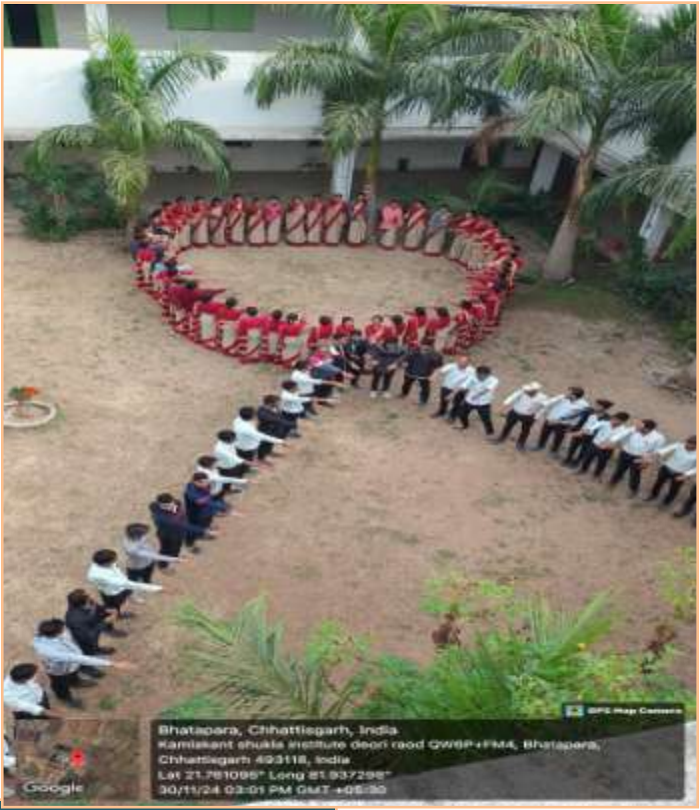

साइबर अपराध और सोशल मीडिया की भूमिका

श्री वैभव गुप्ता

सहा.प्राध्यापक कम्प्यूटर विभाग

संदर्भ

हम जितनी तेजी से डिजिटल दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं, ठीक उतनी ही तेजी से साइबर अपराध की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। जिस गति से तकनीक ने उन्नति की है, उसी गति से मनुष्य की इंटरनेट पर निर्भरता भी बढ़ी है। एक ही जगह पर बैठकर इंटरनेट के जरिये मनुष्य की पहुँच, विश्व के हर कोने तक आसान हुई है। आज के समय में हर वो चीज जिसके विषय में इंसान सोच सकता है, उस तक उसकी पहुँच इंटरनेट के माध्यम से हो सकती है, जैसे कि सोशल नेटवर्किंग, ऑनलाइन शॉपिंग, डेटा स्टोर करना, गेमिंग, ऑनलाइन स्टडी, ऑनलाइन जॉब इत्यादि। आज के समय में इंटरनेट का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में किया जाता है। इंटरनेट के विकास और इसके संबंधित लाभों के साथ साइबर अपराधों की अवधारणा भी विकसित हुई है।

वर्तमान में भारत की बड़ी आबादी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करती है। भारत में सोशल नेटवर्किंग साइट्स के उपयोग के प्रति लोगों में जानकारी का अभाव है। इसके साथ ही अधिकतर सोशल नेटवर्किंग साइट्स के सर्वर विदेश में हैं, जिससे भारत में साइबर अपराध घटित होने की स्थिति में इनकी जड़ तक पहुँच पाना कठिन होता है।

इस आलेख में साइबर अपराध, उसके प्रकार, बचाव के उपाय और सरकार के द्वारा किये गए प्रावधानों पर विमर्श किया जाएगा। इसके साथ ही साइबर अपराध में सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका का भी मूल्यांकन किया जाएगा।

साइबर अपराध क्या है?

- ❖ साइबर अपराध विभिन्न रूपों में किये जाते हैं। कुछ साल पहले, इंटरनेट के माध्यम से होने वाले अपराधों के बारे में जागरूकता का अभाव था। साइबर अपराधों के मामलों में भारत भी उन देशों से पीछे नहीं है, जहाँ साइबर अपराधों की घटनाओं की दर भी दिन–प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। साइबर अपराध के मामलों में एक साइबर अपराधी, किसी उपकरण का उपयोग, उपयोगकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी, गोपनीय व्यावसायिक जानकारी, सरकारी जानकारी या किसी डिवाइस को अक्षम करने के लिये कर सकता है। उपरोक्त सूचनाओं को ऑनलाइन बेचना या खरीदना भी एक साइबर अपराध है।
- ❖ इसमें कोई संशय नहीं है कि यह एक आपराधिक गतिविधि है, जिसे कंप्यूटर और इंटरनेट के उपयोग द्वारा अंजाम दिया जाता है। साइबर अपराध, जिसे इलेक्ट्रॉनिक अपराध के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसा अपराध है जिसमें किसी भी अपराध को करने के लिये कंप्यूटर, नेटवर्क डिवाइस या नेटवर्क का उपयोग, एक वस्तु या उपकरण के रूप में किया जाता है। जहाँ इनके (कंप्यूटर, नेटवर्क डिवाइस या नेटवर्क) जरिये ऐसे अपराधों को अंजाम दिया जाता है वहीं इन्हें लक्ष्य बनाते हुए इनके विरुद्ध अपराध भी किया जाता है।
- ❖ ऐसे अपराध में साइबर जबरन वसूली, पहचान की चोरी, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, कंप्यूटर से व्यक्तिगत डेटा हैक करना, फिशिंग, अवैध डाउनलोडिंग, साइबर स्टॉकिंग, वायरस प्रसार, सहित कई प्रकार की गतिविधियाँ शामिल हैं। गौरतलब है कि सॉफ्टवेयर चोरी भी साइबर अपराध का ही एक रूप है, जिसमें यह जरूरी नहीं है कि साइबर अपराधी, ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से ही अपराध करे।

साइबर अपराध का वर्गीकरण

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार, अपराध की श्रेणी को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है–

❖ वे अपराध जिनमें कंप्यूटर पर हमला किया जाता है। इस तरह के अपराधों के उदाहरण हैकिंग, वायरस हमले आदि हैं।

❖ वे अपराध जिनमे कंप्यूटर को एक हथियार उपकरण के रूप में उपयोग किया जाता है। इस प्रकार के अपराधों में साइबर आतंकवाद, आईपीआर उल्लंघन, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, पोर्नोग्राफी आदि।

साइबर अपराध की श्रेणियाँ

साइबर अपराध के अंतर्गत 3 प्रमुख श्रेणियाँ आती हैं जिसमें व्यक्ति विशेष, संपत्ति और सरकार के विरुद्ध अपराध शामिल हैं।

❖ **व्यक्ति विशेष के विरुद्ध साइबर अपराध–** ऐसे अपराध, यद्यपि ऑनलाइन होते हैं, परंतु वे वास्तविक लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। इनमें से कुछ अपराधों में साइबर उत्पीड़न और साइबर स्टॉकिंग, चाइल्ड पोर्नोग्राफी का वितरण, विभिन्न प्रकार के स्पूफिंग, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, मानव तस्करी, पहचान की चोरी और ऑनलाइन बदनाम किया जाना शामिल हैं। साइबर अपराध की इस श्रेणी में किसी व्यक्ति या समूह के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण या अवैध जानकारी को ऑनलाइन लीक कर दिया जाता है।

❖ **संपत्ति विशेष के विरुद्ध साइबर अपराध–** कुछ ऑनलाइन अपराध संपत्ति के खिलाफ होते हैं, जैसे कि कंप्यूटर या सर्वर के खिलाफ या उसे जरिया बनाकर किये जाते हैं। इन अपराधों में हैकिंग, वायरस ट्रांसमिशन, साइबर और टाइपो स्क्वाटिंग, कॉपीराइट उल्लंघन, आईपीआर उल्लंघन आदि शामिल हैं। उदाहरण– कोई आपको एक वेब–लिंक भेजे, जिस पर क्लिक करने के पश्चात एक वेब पेज खुले जहाँ आपसे आपके बैंक खातेध्गोपनीय दस्तावेज संबंधित सारी जानकारी मांगी जाए और ऐसा कहा जाए कि यह जानकारी रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया या सरकार की ओर से मांगी जा रही है, आप वहाँ सारी जानकारी दे दें और फिर उस जानकारी के इस्तेमाल से आपके दस्तावेज एवं बैंक खाते के साथ छेड़छाड़ की जाए, तो यह संपत्ति के विरूद्ध साइबर हमला कहा जायेगा।

❖ सरकार विशेष के विरुद्ध साइबर अपराधरू यह सबसे गंभीर साइबर अपराध माना जाता है। सरकार के खिलाफ किये गए ऐसे अपराध को साइबर आतंकवाद के रूप में भी जाना जाता है। सरकारी साइबर अपराध में सरकारी वेबसाइट या सैन्य वेबसाइट को हैक किया जाना शामिल हैं। गौरतलब है कि जब सरकार के खिलाफ एक साइबर अपराध किया जाता है, तो इसे उस राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला और युद्ध की कार्रवाई माना जाता है। ये अपराधी आमतौर पर आतंकवादी या अन्य शत्रु देशों की सरकारें होती हैं। इस प्रकार के साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिये प्रत्येक देश की सरकार द्वारा कठोर साइबर कानून बनाए गए हैं।

सोशल मीडिया की भूमिका

❖ बड़े पैमाने पर सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करने वाली जनसंख्या साइबर अपराध के खतरों से अनजान है। विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइट्स के सर्वर अन्य देशों में केंद्रित हैं, जिससे यह डर रहता है कि कहीं ये देश लोगों की व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग न करें।

❖ विभिन्न सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर लोग अपनी व्यक्तिगत जानकारियाँ साझा करते हैं, जिससे हैकर्स इन सोशल ने. टवर्किंग एकाउंट्स को आसानी से हैक कर लेते हैं और फिर प्राप्त सूचना का दुरुपयोग करते हैं।

❖ लोगों को सोशल नेटवर्किंग साइट्स पर हैकर्स ऑनलाइन ठगी का शिकार बनाते हैं।

❖ सुरक्षा एजेंसियों द्वारा यह भी पता लगाया गया है कि ऑनलाइन मुद्रा स्थानांतरित करने वाले विभिन्न एप के माध्यम से आतंकवादियों और देशविरोधी तत्वों को फंडिंग की जाती है।

❖ साइबर अपराधी विभिन्न ऑनलाइन गेम्स के माध्यम से बच्चों को अपराध करने के लिये प्रोत्साहित करते हैं।

****

विचार

श्रीमति शबीना कौसर
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

गरीब वह नहीं जिसके पास कम है, बल्कि वह जो अधिक चाहता है।

अँधेरी रात कितनी भी अँधेरी क्यों न हो, सूर्य आने के बाद समाप्त हो ही जाती है।

शिक्षक एवं शिक्षार्थी एक दूसरे के पूरक एवं पहचान है।

पुरूषार्थ वह है जो मानव को सप्रयास, प्रयत्नशील व महान बनाता है।

समय मूल्यवान है, आज का काम कल पर मत छोड़ो।

****

The Power of Perseverance

श्रीमति सुषमा दुबें
सहा.प्राध्यापक कम्प्यूटर विभाग

As a young boy, John had always dreamed of becoming a successful engineer. However, his journey to achieving his goal was not an easy one.

Growing up in a low-income family, John had to work multiple part-time jobs to support his family while pursuing his education. Despite the challenges, he never gave up on his dreams.

In college, John faced numerous setbacks, including failing a critical course and struggling to balance his work and academic responsibilities. However, he refused to let these obstacles define him.

Instead, John used each setback as an opportunity to learn and grow. He sought guidance from his professors, joined study groups, and developed a rigorous study routine.

Through sheer determination and hard work, John slowly began to turn his academic career around. He started to excel in his courses, landed internships at top companies, and eventually secured a full-time job offer from his dream company.

John's story is a testament to the power of perseverance and determination. Despite facing numerous challenges, he never lost sight of his goals and continued to push forward.

As college students, we can all learn from John's example. We will inevitably face setbacks and challenges, but it's how we respond to them that matters.

So, let's draw inspiration from John's story and remember that with hard work, determination, and perseverance, we can overcome any obstacle and achieve our dreams.

****

स्वयं की पहचान

सुश्री अनुपमा उमरें
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

हमें ऐसे बहुत से लोग मिलेंगे जिनके अवचेतन मन में यह बात होगी कि उनमें प्रतिभा की कमी है अथवा वह दूसरों से किसी स्तर पर कम है लेकिन वास्तविकता यह नहीं है बल्कि किसी भी विधार्थी में प्रतिभा की कमी नहीं अपितु उन्हें उसकी पहचान नहीं होती। महान विचारक श्अर्नेस्ट हेमिंग्वे का कथन है कि प्रतिभा, योग्यता और सफलता अंतःकरण में छिपे होते है। इसके लिए आवश्यक है कि विद्यार्थी अंतःकरण की गहराई से स्वयं के विषय में विचार कर अपनी योग्यता व क्षमता को पहचाने तथा आत्म. विश्वास के साथ उस दिशा में मेहनत करें।

अपनी प्रतिभा की सही पहचान के लिए एवं उस दिशा में कार्य करने के लिए सबसे जरुरी है आपके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण—क्या है? इसकी पहचान कर अपनी प्रथमिकताओं का निर्धारण करें और सकारात्मक मनोवृत्ति के साथ अपना पहला कदम बढ़ाये ।

किसी विद्यार्थी या व्यक्ति के जीवन में उसकी प्रतिभा की पहचान हेतु स्वयं उस विद्यार्थी के साथ एक मार्गदर्शक की भूमिका महत्वपूर्ण होती है यह मार्गदर्शक माता–पिता, गुरु अथवा जीवन की यात्रा में मिला कोई भी व्यक्ति हो सकता है जो अंतःकरण को जागृत करें। अतः एक शिक्षक होने के नाते हम सभी को अपनी भूमिका को समझना होगा कि विद्यार्थीयों में छिपे प्रतिभा रूपी बीज को पहचाने एवं सिंचित कर उन्हें पुष्पित कर सके ।

****

युवाओं की बदलती जीवन–शैली

श्रीमति पूर्णिमा कौशिक
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

तकनीकी संसाधनों, कामकाज के दबावों और जीवन के प्रति बदलते दृष्टिकोण का असर युवाओं पर साफ दिखता है। वे पारंपरिक जीवन–शैली को छोड़ कर अधुनिकता के नाम पर कुछ इस तरह जीने लगे हैं कि उसका असर उनकी सेहत, अनकी मानसिकता और जीवनेच्छा पर भी पड़ रहा है। वे आत्मकेंद्रिकता के शिकार हो रहे हैं, असमय अनेक बीमारियों और नकारात्मक सोच की जकड़ में आ जा रहे हैं। इस बदलती जीवन–शैली में युवाओं को किस तरह सकारात्मक सोच की ओर उन्मुख किया जा सकता है,

हाथ में मोबाइल, कान में ईयरफोन, तेज संगीत की धुन पर थिरकते पैर, देर रात की पार्टियां, शराब, सिगरेट और लिव–इन को एक टशन मानती आज की युवा पीढ़ी, आधुनिकता और तकनीक दोनों की जकड़ में फंस चुकी है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, बंगलुरू और पुणे समेत देश के कई प्रमुख शहरों में हुए अध्ययन बताते हैं कि फेसबुक, वाट्स ऐप्प, इंस्टाग्राम और ऐसी ही कई सोशल नेटवर्किंग साइटों की गुलाम बनती युवा पीढ़ी की जीवन–शैली और सोच में व्यापक रूप से बदलाव आ गया है। हर हाथ में तेजी से पहुंच रहे स्मार्टफोन और लगभग मुफ्त इंटरनेट सेवाओं ने जीवन–शैली में बदलाव की इस प्रक्रिया में तेजी ला दी है। अब युवा सुबह उठते ही अपने स्मार्टफोन पर सोशल साइटों को चेक करने को तरजीह हो गया है।

तल्लीन हैं सोशल मीडिया पर

इन दिनों युवा अपने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया में इतने तल्लीन रहते हैं कि वे यह भूल गए हैं कि इसके बाहर भी एक जीवन है। मना. वैज्ञानिकों का मानना है कि आज का युवा स्वयं की छवि को लेकर बहुत चिंतित है, इसलिए सोशल मीडिया के माध्यम से वह उस चीज के बारे में दिखाना और बताना चाहता है, जो उसके पास है। उसकी जीवन–शैली पर जिस तरह से तकनीक हावी है, उसका ही सहारा लेते हुए, हर क्षण का आनंद लेने के बजाय वह यह दिखाना चाहता है कि उसका जीवन कैसा रहा है। वास्तव में वह खुश नहीं है, लेकिन वह बताना चाहता है कि उसका जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर और सफल है।

मोबाइल फोन और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के अलावा जो आधुनिक युवाओं के जीवन पर बहुत बड़ा प्रभाव डाल रहे हैं वह है अन्य गैजेट्स और अन्य तकनीकी रूप से उन्नत उपकरण, जिन्होंने लोगों की जीवन–शैली में बहुत बड़ा बदलाव लाया है। आज के युवा सुबह पार्क में घूमने के बजाय जिम में कसरत करना पसंद करते हैं। आज का युवा पैदल चलने के बजाय थोड़ी–सी दूरी के लिए भी कार या बाइक का प्रयोग करता है। सीढ़ियों के बजाए लिफ्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है, माइक्रोवेव और एयर फ्रायर्स में पका खाना पसंद कर रहा है और पार्क की जगह मॉल में घूमने जा रहा है।

आत्मकेंद्रिकता

यह सामाजिक बदलाव का दौर है, जिसमें विभिन्न माध्यमों से आज जहां एक ओर संपर्क का दायरा विस्तृत किया है, वहीं दूसरी ओर इसकी वजह से युवा अकेला और आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। सिर्फ अपने बारे में सोचना– यह एक चलन का रूप ले रहा है। इट्स माई लाइफ की तर्ज पर बिना रुके आगे बढ़ती युवा पीढ़ी, अपनों को, रिश्तों को भी नकारने रही है। मैं और सिर्फ मैं– नया फलसफा है उनका, और उसके बीच में जो भी आता है, उसे छोड़ने में भी परहेज नहीं है। वे मानते हैं कि इस बदलती जीवन–शैली के साथ अगर ताल मिला कर चलना है तो इसे खुले मन से अपनाना भी जरूरी है।

असल में उनके जीने का अंदाज बिल्कुल नया है। रहन सहन और खानपान की शैली हो या फिर उनके काम करने या सोचने का तरीका, बदलाव बड़ी तेजी से आया है। वह फास्ट लाइफ जीना चाहता है, वह शार्टकट रास्ते पर बहुत जल्दी कामयाबी हासिल कर लेना चाहता है। इस जीवन–शैली ने युवा की सोच के साथ–साथ उसकी सहनशीलता, उसके मोरल वैल्यूज में भी सेंध लगाई है। घर के खाने की जगह पिज्जा, बर्गर और मोमोज उनकी पसंद बन गए हैं। इस बात का असर यह हो रहा है शारीरिक ही नहीं, युवा मानसिक रोगों का भी शिकार हो रहे हैं।

निराशा की गिरफ्त में

हाईटेक जीवन–शैली ने जहां युवाओं के लिए सब कुछ बदल कर रख दिया है, वहीं कई बीमारियों ने भी उन्हें घेर लिया है। हाईपरटेंशन की बीमारी अब युवाओं को ज्यादा चपेट में ले रही है। नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट के एक सर्वे से यह बात सामने आई है कि तीस फीसद युवा खतरनाक रूप से हाईपरटेंशन की चपेट में है। फिटनेस के लिए जिम और हेल्थ ड्रिंक का सहारा लेने वाली यह युवा पीढ़ी, जंक फूड संस्कृति के चलते मोटापा के वर्ग में कदम रख चुकी है।

वैश्वीकरण और उपभोक्तावाद संस्कृति के दौर में युवा पीढ़ी ब्रांडेड लाइफ को ही जीने का ढंग मानती है। प्रतियोगिता और जैसे भी हो,

आगे निकलना ही है, इस बदलती जीवन–शैली का एक और परिणाम है। प्रतिस्पर्धा जब निराशा की ओर धकेलती है तो विफलता सहन न करने पर आत्महत्या जैसा कदम उठाने से भी नहीं हिचकती है यह पीढ़ी।

पिछले दस वर्षों में पंद्रह से चौबीस साल के युवाओं में आत्महत्या के मामले सौ प्रतिशत से ज्यादा बढ़े हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े बताते हैं कि 2020 तक पूरी दुनिया में युवा पीढ़ी में मौत की बड़ी वजह तनाव हो सकता है। पिछले कुछ सालों से युवा पीढ़ी में लगातार बदलती जीवन–शैली के कारण तनाव बढ़ रहा है। निराशा और खालीपन के हावी होने की वजह से उनकी जीवन–शैली पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है, जो तनाव की बड़ी वजह है। पहले चालीस वर्ष की आयु के बाद लोग इसकी गिरफ्त में आते थे, लेकिन अब बीस वर्ष की आयु के युवक–युवतियां यहां तक कि स्कूली बच्चे भी तनाव का शिकार हो रहे हैं। आजकल की युवा पीढ़ी पर काम का बढ़ता दबाव जो उसकी जीवन–शैली का अहम हिस्सा है, उसके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। असंतोष, आत्मविश्वास की कमी, बढ़ती महत्त्वाकांक्षाएं, और सुख–सुविधाओं को जल्दी से पाने की चाहत, से युवा वर्ग के तनाव की गिरफ्त में आने की आशंकाएं कई गुना बढ़ी हैं।

इस जीवन–शैली को अपनाने को मजबूर युवा पीढ़ी के लिए इस समय जरूरी है एक से मार्ग की तलाश करना, जो उनकी आकांक्षाओं की पूर्ति तो करे, पर साथ ही भटकाव से दूर रखे। इसमें समाज और अभिभावकों को सकारात्मक भूमिका निभाने की जरूरत है। अधिकतर युवाओं की जीवन–शैली इसलिए भी बिगड़ रही है कि उन्हें माता–पिता का ठीक से मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा। इसलिए इसमें अभिभावकों की भूमिका ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। उन्हें सकारात्मकता की ओर प्रेरित करने में उनका सहयोग जरूरी है।

****

कार्यक्षमता को तीव्र करने वाली 15 न्यूरोबिक व्याव्याम

श्रीमति डॉली अहीर

सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

जिस प्रकार शारीरिक व्यायाम हमें स्वस्थ व मजबूत रखता है उसी प्रकार मस्तिष्क व्यायाम जिसे न्यूरोबिक कहा जाता है, हमारे मस्तिष्क (ब्रेन) की कोशिकाओं को पुर्नजीवित करता है न्यूरोबिक्स सभी 5 ज्ञानेन्द्रियों दृष्टि, प्राण, स्पर्श, स्वाद और अवण का प्रयोग करके ब्रेन की क्षमता को बढ़ाता है न्यूरोबिक व्यायाम सिर्फ खेल नहीं है लेकिन जब यह हमारे दिमाग को चतुर करता है इसे करने से आप नये नामों को ज्यादा अच्छी तरह याद रख पायेंगे और नये–नये प्रव्ययों को पकड़ पायेंगे और अपने कार्यभार को आसानी से पूरा कर पायेंगे।

1– दाँतों को ब्रश करने के लिये अपने विपरीत हाथ का प्रयोग करें या उस हाथ से फ्रिज खोलकर ब्रेकफास्ट करें।

2– जब भी किसी नये व्यक्ति से मिलें तो मिलते समय अपनी सभी ज्ञानेन्द्रियों का प्रयोग करें। शारीरिक वेशभूषा पर भी ध्यान दें। जैसे थॉमस के छोटे भूरे बाल, नीला चश्मा पहना हुआ, मुँह से सिगरेट की दुर्गंध, हाथ मिलाने का तरीका और उसकी धीमी आवाज आदि।

3–चीजों की डेस्क पर आड़ी तिरछी रूप में रखें जिससे आपका दिमाग उन्हें विभिन्न रूपों में देखेगा।

4–टाइप के बजाय लिखने की कोशिश करें। रिसर्च बताती है कि लिखने से चीजों को ज्यादा अच्छा याद रखा जा सकता है हम चीजों को ज्यादा अच्छा याद रख पाते हैं यदि हम उन्हें लिखेंगे।

5–हमेशा गाड़ी चलाते, पैदल चलते व बाइक चलाते समय नये रास्तों का प्रयोग करें।

6–नयी भाषा सीखें या कोई वाद्य यन्त्र बजाना सीखें।

7–गणित ज्यादा से ज्यादा करें।

8–किसी नये भोजन को बनाने व खाने का प्रयत्न करें।

9–अगर आपको रॉक म्यूजिक या क्लासिकल म्यूजिक पसंद है तो कोई अन्य म्यूजिक सुनें।

10–बिना चावी की तरफ देखे घर का या कार का लॉक खोलें।

11–आँखें बंद करके पानी की बौछार डालें।

12–किसी नई जगह पर लंच करें जैसे किसी दूसरी मेज, कमरे, रेस्टोरेंट या किसी भी दूसरी जगह पर।

13–रोज के समय से हटकर किसी अन्य टाइम पर शॉपिंग करें।

14–जिस किताब को आपने कभी न पढ़ा हो उसे पढ़ने की कोशिश करें।

15–यदि आप अच्छे धावक हैं तो योगा करें या आप अच्छे तैराक हैं तो टेनिस खेलने का प्रयास करें।

****

चहुमुखी विकास

सूश्री भावना हेंवार
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

शिक्षा के साथ–साथ छात्र–छात्रों को अन्य क्षेत्र में भी एक्टिव होना चाहिए ऐसा क्षेत्र जिसमें विद्यार्थीयों का चहुमुखी विकास हो सके पढ़ाई के साथ–साथ खेल कुद , समाजसेवी कार्य, वृक्षारोपण , नुक्कड़ नाटक , नृत्य , संगीत, परेड, रंगोली चित्रकला, पोस्टर मेंकिंग, स्वास्थ्य संबधित जानकारी और यह तभी संम्भव हैं जब महाविद्यालय में पाठ्यवस्तु के साथ ही विभि न्न गतिविधी और कार्यक्रम रेडक्रॉस , उन्नत भारत अभियान , विभिन्न गतिविधी नृत्य , संगीत, परेड, रंगोली चित्रकला, पोस्टर मेंकिंग, आदि राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत गांव–गांव में जाकर समाजसेवी कार्य, जनजागरूकता कार्य , सभी क्षेत्र में सफाई के क्षेत्र में मतदान के क्षेत्र में, वृक्षारोपण इन सभी पर नुक्कड़ नाटक कार्य किया जा सकता हैं। इन सभी कार्य हेतु विद्यार्थीयों में उत्साह होना जरूरी हैं तभी वह कार्यों को अ्च्छें से व नियमित रूप से कर सकते हैं जिससे विद्यार्थी में चहुमुखी विकास हो सकें इन सभी कार्यों में शिक्षक एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं शिक्षक जब एक्टिव रहेंगे व छात्रों को जागरूक रखेंगें तो सब कार्य सम्भव हैं विद्यार्थीयों का चहुमुखी विकास ही उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाने में सहायता करेगा और वह समाज में एक अलग पहचान बना सकेंगे।

****

स्वरचित कविता शिक्षा का स्थान

सूश्री नेहा सिंह
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

- ❖ शिक्षा वह प्रकाश है जो जीवन भर हमे प्रकाशित करती है।
- ❖ शिक्षा का प्रकाश जीवन के अंधकार को दूर करता है।
- ❖ शिक्षा की गति जीवन को प्रगति प्रदान करती है।
- ❖ शिक्षा की वायु जीवन को शुद्ध करती हैं।
- ❖ शिक्षा जीवन में एक चरण को दूसरे चरण तक पहुचाती हैं।
- ❖ महिला शिक्षा महिलाओं को शिक्षित करती है और एक पि रवार को मजबूत करती है।
- ❖ समाज को परिपक्व बनाने के साथ साथ समाज को एक मूल्य प्रदान करती है।
- ❖ पुरुष और महिला की असामनता को दूर करके समाज में समानता की दुनिया को उजागर करती है।
- ❖ शिक्षा ही वहीं राह है, जो जीवन को एक मूल्यांकन ' राह और सही जीवन जीने की दिशा सीखाती हैं।

अतः – शिक्षा जीवन की वह मूल्यवान वस्तु हैं जिसकी कीमत नही आकी जा सकती हैं शिक्षा का आधार जीवन को अंधकार से बहार करता हैं । सभी को अपने जीवन में शिक्षा की ज्योत जीवन पर्यन्त जलाकर रखनी चाहिए।

****

सुविचार

श्रीमति सुमिता बेरा
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

• अपने लक्ष्य में सफल होने के लिये, आपको लक्ष्य के प्रति एकमात्र दृढ़ भक्ति होनी चाहिए।

अब्दुल कलाम

• सफल व्यक्ति बनने का प्रयास मत करिये, बल्कि सिद्धांतों वाला व्यक्ति बनने का प्रयत्न करिए।

अल्बर्ट आंइस्टीन

• कमजोर कभी माफी नहीं मांगते, क्षमा करना तो ताकतवर व्यक्ति की विशेषता है।

महात्मा गाँधी

• ब्रह्माण्ड की सारी शक्तियाँ पहले से ही हमारी है, वो हम ही है जो अपनी आँखों पर हाथ रख लेते है और फिर रोते हैं कि कितना अंधकार है।

स्वामी विवेकानंद

• कोई भी व्यक्ति ऊँचे स्थान पर बैठकर ऊँचा नहीं हो जाता बल्कि अपने गुणों से ऊँचा होता है।

चाणक्य

****

शिक्षा का महत्व

श्रीमति नबमिता मईति
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

शिक्षा वर्तमान समाज की आवश्यकता नहीं वरन् जरूरत है। शिक्षा के द्वारा देश के कौशलात्मक उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ समाज की मानसिक स्थिति सामाजिक स्थिति तथा आर्थिक स्थिति में वृद्धि करती है।

शिक्षा सभी के जीवन आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक है। शिक्षा आत्म विश्वास विकसित करती है। एक व्यक्ति के व्यक्तित्त्व के निर्माण में मदद करती है।

शिक्षा सभी के जीवन में महान भूमिका निभाती है। इस प्रतियोगी संसार में सभी के लिए शिक्षा प्राप्त करना शिक्षा वर्तमान समाज की आवश्यकता नहीं वरन् जरूरत है। शिक्षा के द्वारा देश के कौशलात्मक उत्पादन में वृद्धि के साथ–साथ समाज की मानसिक स्थिति सामाजिक स्थिति तथा आर्थिक स्थिति में वृद्धि करती है।

शिक्षा सभी के जीवन आगे बढ़ने और सफलता प्राप्त करने के लिए बहुत आवश्यक है। शिक्षा आत्म विश्वास विकसित करती है। एक व्यक्ति के व्यक्तित्त्व के निर्माण में मदद करती है।

शिक्षा सभी के जीवन में महान भूमिका निभाती है। इस प्रतियोगी संसार में सभी के लिए शिक्षा प्राप्त करना

****

IMPORTANCE OF ENGLISH LANGUAGE

श्री सुर्यकांत महोबिया
सहा.प्राध्यापक शिक्षा विभाग

WHAT IS THE ENGLISH LANGUAGE

English language is a global phenomenon that serves as a means of communication for people from diverse backgrounds. It is a West Germanic language that originated in England and is now spoken by millions worldwide. English has become the lingua franca of the modern world, significantly impacting various aspects of life, including education, business, travel, and culture.

The importance of language is underscored by its role in bridging cultural gaps and enabling effective communication, while the importance of studying English cannot be overstated in today's interconnected world, providing individuals access to a wealth of information, opportunities, and global conversations.

BACKGROUND AND SCOPE OF ENGLISH LANGUAGE STUDIES

English language studies have a rich historical background and a wide scope. The study of English encompasses various aspects, including grammar, vocabulary, pronunciation, reading, writing, and listening skills. It involves the exploration of literature, language analysis, and cultural understanding. English language studies offer a comprehensive understanding of the language's structure, usage, and evolution.

The scope of English language studies extends beyond the boundaries of traditional classroom education. With advancements in technology and globalization, online platforms and language centers have emerged as valuable resources for language learning. These platforms provide interactive learning experiences, allowing individuals to develop their English language skills at their own pace.

The importance of English in our life cannot be overstated in today's interconnected world. Here are some compelling reasons why English is important in our life:

1. **Global Communication:** English is the most widely spoken second language globally, making it a bridge language that connects people from different cultures. Proficiency in English enables individuals to communicate effectively with people from diverse backgrounds, fostering international understanding and collaboration.
2. **Education Opportunities:** English is the primary language of instruction in many prestigious universities and educational institutions worldwide. Acquiring strong English language skills opens doors to educational opportunities in top-ranked universities, scholarships, and research programs.

3. **Career Advancement:** English language skills are highly valued by employers in various industries. Proficiency in English enhances employability and opens doors to a wider range of job opportunities, both locally and internationally. Many high-paying jobs require a strong command of English, especially in fields such as international business, tourism, journalism, and academia.
4. **Cultural Enrichment:** English is not just a language; it is also a gateway to literature, art, and culture. By learning English, individuals gain access to a vast collection of literary masterpieces, films, music, and other forms of creative expression. This exposure expands cultural horizons and provides a deeper understanding of the world.

TOP CAREER OPPORTUNITIES AFTER ENGLISH LANGUAGE GRADUATION

After completing a degree in English language studies, individuals can pursue various rewarding career paths. Here are some high-paying job opportunities that are particularly well-suited for graduates with a background in English:

****

The Story of the Unseen Effort

श्री प्रवीन बिस्वास
सहायक प्राध्यापक (विज्ञान संकाय)

In a small village, there lived a boy named Rohan. He was ambitious, full of dreams, and wanted to achieve great success. But no matter how hard he worked, he felt like he was failing. His grades weren't the best, he wasn't the fastest runner, and whenever he tried something new, he felt like others were always ahead of him. Frustrated, he decided to quit.

One evening, Rohan's grandfather took him to a nearby river. They sat on the bank, watching the water flow. The old man picked up a stone and threw it into the river. Then, he pointed at a large, strong tree nearby and said, "Do you know how this tree became so strong?"

Rohan shook his head. His grandfather smiled and continued, "This tree started as a tiny seed. For years, it was just a small sapling, unnoticed and weak. Every day, the wind tried to break it, the sun tried to dry it, and the storms tried to uproot it. But it held on. Its roots grew deeper, even when no one could see its struggle. It kept growing slowly, but steadily. And now, look at it—standing tall, providing shade, and strong enough to withstand any storm."

Rohan listened carefully. His grandfather picked up another stone and said, "Now watch this." He threw the stone into the river again. "Did you see that?" he asked.

Rohan nodded. The stone had caused ripples for a few seconds before disappearing beneath the water.

His grandfather explained, "This stone is like people who want instant success. It makes a splash for a moment but then sinks. But the tree… it doesn't seek quick results. It grows slowly but remains unshaken for years. Which one do you want to be? The stone that makes a noise for a moment or the tree that stands strong for a lifetime?"

At that moment, something changed in Rohan. He realized that success isn't about immediate results but about continuous effort. Just like the tree, his hard work was not going to waste—it was building his foundation, making him stronger. From that day, he stopped worrying about quick results and focused on daily improvement.

Years later, Rohan became a successful scientist. When people asked him how he did it, he smiled and said, "I just kept growing, even when no one noticed."

The Lesson?

Students, life is not a race to see who succeeds first. The strongest and most successful people are not always the ones who get quick results but those who are patient and persistent. Like the tree, keep learning, keep improving, and never give up. Your time to shine will come, and when it does, you will be unshakable.

No effort is wasted—every small step you take is strengthening your roots. Stay patient, stay determined, and most importantly, keep growing.

नव राष्ट्र भारत

नव राष्ट्र के नव मण्डल में स्वतंत्रता का अलख जगायेंगें

भारत के इस स्वर्णिम भुमि को स्वर्ग हम बनायेंगे।

नैतिकता और सदगुणों दया धर्म का विचार हम लायेंगें।

भारत के इस स्वर्णिम भुमि को स्वर्ग हम बनायेंगे।

तकनीकी और नई खोंजो से नयी क्रांति लाना हैं

भारत के इस स्वर्णिम भुमि को स्वर्ग हम बनायेंगे।

भ्रष्टाचार भुखमरी गरीबी को जड़ से हमें मिटाना हैं।

भारत के इस स्वर्णिम भुमि को स्वर्ग हम बनायेंगे।

श्रीमती माधुरी वर्मा
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय)

शिक्षक शिक्षा में नवाचार

हमारे देश में शैक्षिक मानकों के उत्थान और सतत् विकास के लिए शिक्षक प्रणाली का पुनरोद्धार एवं सुदृढीकरण एक शक्तिशाली माध्यम है। कई ऐसे मुद्दे हैं जिनके लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार के लिए तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। प्रतिस्पर्धा एवं विकास की परिस्थिति में एक राष्ट्र को विकास के लिए शिक्षण, एकीकृत शिक्षण, शिक्षण पाठ्यक्रम और शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में अभिनव परिवर्तन की आवश्यकता है। शिक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु सर्वप्रथम शिक्षकों को नवीन ज्ञान, कौशलों, दक्षताओं, शिक्षण विधियों, तकनीकों, अनुसंधान व नवाचार के ज्ञान एवं इनके व्यावहारिक प्रयोग में पारंगत होना आवश्यक है। नवीन शैक्षिक परिस्थितियों में विद्यार्थियों के साथ संबंध बनाने के लिए शिक्षकों को स्वयं को नए तरीकों से अवगत होने की आवश्यकता है। आज वीडियों, इंटरनेट, ब्रॉडकास्ट का समय है। बच्चे इस इंटरेक्टिव मीडिया के माध्यम से आसानी से सीख सकते हैं। इसलिए शिक्षकों को वर्तमान प्रौद्योगिकी के साथ अपने आपको निरन्तर बनाये रखना होगा। सीखना अनवरत है और इसमें निरन्तर विकास होता रहता है। एक योग्य शिक्षक स्वयं की खोज द्वारा पाठ्यक्रम को रोचक एवं बोधगम्य बनाता है। शिक्षक शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित नहीं है बल्कि अधिगमकर्ता को ऐसे निर्देश देना है जिससे वे सूचनाओं को प्राप्त कर स्वयं ज्ञानार्जन की अनुभूति कर अपने आवश्यक कार्यों के अनुरूप उपयोग में ला सकें। शिक्षक शिक्षा में नवाचार को अपनाकर न केवल पाठ्यक्रम की पूर्ति की जा रही है अपितु भविष्य की संभावनाओं तथा प्रतिस्पर्द्धा में सफलता प्राप्त करने के लिए निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं।

शिक्षक शिक्षा में नवाचार लाने के उद्देश्य से ही वर्तमान में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में ष्राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् विनियम–2014ष के द्वारा कुछ प्रभावशाली परिवर्तन किए गए है जैसे– द्विवर्षीय शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा में स्नातक (बी.एड.) शिक्षा में मास्टर डिग्री (एम.एड.), शारीरिक शिक्षा स्नातक (बीपी.एड), शारीरिक शिक्षा में (एम.पी.एड.) तथा तीन वर्षीय एकीकृत बी. एड–एम.एड, चार वर्षीय एकीकृत बी.ए–बी.एड. बी.एससी–बी.एड. एवं बी.एल.एड पाठ्यक्रम आदि। नवाचारों के रूप में सूक्ष्म शिक्षण, विभिन्न शिक्षण कौशल, वनशाला कार्यक्रम, सामुदायिक सेवाएँ, खण्ड शिक्षण, स्वाध्याय पर आधारित अभ्यास कार्यक्रम आदि को सम्मिलित किया गया है।

शिक्षक शिक्षा में नवाचार की आवश्यकता

शिक्षक समाज का वो हिस्सा है जो शिक्षा के माध्यम से बदलाव का कारक है। विद्यालय और शिक्षक दोनों ही अपने परिवेश से प्रभाव ग्रहण करते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण एवं स्कूली शिक्षा का गहन संबंध है। ये दोनों ही एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। प्रभावी शिक्षक प्रशिक्षण स्कूली शिक्षा में गुणवत्ता को सुनिश्चित करता है। एक शिक्षक शिक्षा के वृहत्तर संदर्भों में कार्य करता है जैसे–उद्देश्य, पाठ्यक्रम, पाठ्य सामग्री, विधियाँ आदि। शिक्षक शिक्षा को स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रम, आवश्यकता एवं अपेक्षताओं के साथ जोड़कर देखा जाना आवश्यक है। शिक्षक को केवल शिक्षण विधियों का ज्ञात ही नहीं बल्कि बच्चों को, उनके सामाजिक–आर्थिक परिवेश को तथा सीखने की प्रक्रिया को समझना चाहिए। NCT 2009 ने भी शिक्षकों की क्षमता संवर्द्धन एवं गुणवत्ता में विकास के लिए शिक्षक शिक्षा में नवाचार की आवश्यकता महसूस की है। शिक्षक शिक्षा में नवाचार की आवश्यकता को निम्न संदर्भों में देखा जा सकता है–

1. शिक्षक शिक्षा को समय सापेक्ष परिवर्तन युक्त बनाने के लिए।

2. शिक्षक शिक्षा में गुणात्मक एवं मात्रात्मक विकास के लिए।

3. शिक्षक शिक्षा को तकनीकी युक्त बनाने के लिए।

4. अभिव्यक्ति क्षमता एवं शिक्षण दक्षता के विकास हेतु।

5. छात्राध्यापकों को प्रत्यक्ष एवं स्थायी ज्ञान प्रदान करने योग्य बनाने हेतु।

6. छात्राध्यापकों को क्रियाशील बनाने के लिए।

7. छात्राध्यापकों में स्वस्थ दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए।

8. शिक्षक शिक्षा संस्थानों एवं विद्यालय में समन्वय स्थापित करने के लिए।

9. शिक्षण विधियों में नवीनता लाने हेतु।

10. सामाजिक आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं की पूर्ति हेतु।

श्रीमती अर्चना धोते
सहायक प्राध्यापक (शिक्षा संकाय)

सुविचार

श्रीमति प्रमिला शर्मा
सहायक प्राध्यापक (विज्ञान संकाय)

हमारें शब्दों में इतनी उर्जा हैं कि वो हमारें भाग्य निर्माण करने की क्षमता रखते हैं जब हम दुसरों को तकलीफ देने के लिये या अपम. ान करने के लिये शब्दों का प्रयोग करते हैं तो इस तकलीफ और अपमान की उर्जा हम तक गुणकों में वापस आती हैं और वैसी ही परिस्थिती का निर्माण होता हैं अतः शब्दों को नाप तौल को बोलिए।

****

The forbidden fruit

सुश्री वंदना मसीह
सहायक प्राध्यापक (कला संकाय)

In the Garden of Eden also lived a cunning serpent. He told Eve, "If you eat the forbiddenfruit you will become like God. You will know what is good and bad." Eve was tempted. She disobeyed God's instruction. She ate the fruit and gave it toAdamtoo. Immediately, they realised that they had no clothes. They felt shame and dressedthem-selves in fig leaves. When God called Adam and Eve, they hid and didn't come out. God realised that they had eaten the forbidden fruit. Adam blamed Eve and Eve blamed the serpent! God, now angry, sent all three of themout of Eden. The moral story of the "forbidden fruit," most commonly referencing the Biblical taleof Adam and Eve, is that disobeying rules or boundaries, even when tempted by curiosityor desire, can lead to significant negative consequences,

****

स्वरचित कविता बसंत ऋतु (छत्तीसगढ़ी)

श्री अजय कुमार
सहायक प्राध्यापक (कला संकाय)

सरसों पिवरावत हे,
आमा मौरावत हे,
देख तो संगी बसंत ऋतु आवत हे।
चिरई चहचहावत हे,
कोयली कुहकुहावतहे ,
देख तो संगी बसंत ऋतु आवत हे।
शीतल हवा ह बोहावत हे,
संगी संगवारी ल गुदगुदावत हे,
देख तो संगी बसंत ऋतु आवत हे।
रुख राई मन हरियावत हे,
मौसम ह फरियावत हे,
देख तो संगी बसंत ऋतु आवत हे।
टेसू के फूल ले जंगल जगमगावत हे,
चारो कोती रंग गुलाल ह उड़ावत हे,
देख तो संगी बसंत ऋतु आवत हे।
लईका मन गुरतुर बोईर ल खावत हे,
झुमत हे, नाचत हे, गावत हे,
देख तो संगी बसंत ऋतु आवत हे।।

****

सुविचार

सुश्री सरोजनी वर्मा
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य संकाय)

पानी की एक बूंद गरम तवे पर पड़ती हैं तो मिट जाती हैं
कमल के पत्तें पर गिरती हैं
तो मोती की तरह चमकने लगती हैं।
''सीप में आती हैं तो खुद मोती बन जाती हैं।
पनी की बूंद तो वही हैं फर्क तो बस संगत का हैं।

****

पुस्तकालय का महत्व मानव–जीवन में:–

मनुष्य जीवन भर में ज्ञान की प्राप्ति के लिए पुस्तकालय का महत्वपूर्ण स्थान है। पुस्तकालय एक ऐसा स्थान है जहाँ ज्ञान का स्रोत सजीव होता है और जिज्ञासु विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों पर साहित्यिक धरोहर उपलब्ध होता है।

पहले–पहले, पुस्तकालय समृद्धि और सामाजिक समरसता का केंद्र है। यहाँ विभिन्न विषयों पर लाखों पुस्तकें रखी जाती हैं जो छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान प्रदान करती हैं। छात्र यहाँ से नई रचनाएँ, विचार और विदेशी साहित्य का आनंद लेते हैं जो उनकी भूमिका को विस्तृत करते हैं।

दूसरे–पुस्तकालय स्वतंत्र अध्ययन और स्वतंत्र सोच की भूमि है। यहाँ प्रवेश करने पर व्यक्ति अपनी मनोबल बढ़ाता है और स्वयं को नए और बेहतर विचारों से समृद्धि करने का एक शानदार अवसर प्राप्त करता है।

साथ ही, अपने विद्यालय के पुस्तकालय का वर्णन करते हुए कह सकता हूँ कि हमारा पुस्तकालय एक आदर्श स्थान है जो छात्रों को सशक्त करने, सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देने, और विभिन्न विषयों में उनकी रूचि को पूरा करने का माध्यम है। हमारे पुस्तकालय में सभी आवश्यक सामग्री, साहित्य, और तकनीकी सुविधाएं हैं जो छात्रों को उनकी शिक्षा में सहायक हैं।

समर्पित अध्ययन, सुव्यवस्थित साहित्य, और आत्मनिर्भर सोच के साथ, हमारे पुस्तकालय ने हमें एक समर्थ और सुसंगत भविष्य की दिशा में एक कदम आगे बढ़ने में मदद की है।

इस प्रकार, पुस्तकालय मानव–जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और यह एक शिक्षा केंद्र के रूप में हमें सही दिशा में मार्गदर्शन करता है।

एक अच्छी लाइब्रेरी कभी भी बहुत साफ–सुथरी या बहुत धूल भरी नहीं होगी, क्योंकि कोई न कोई हमेशा वहां मौजूद रहेगा, जो अलमारियों से किताबें निकालेगा और देर रात तक उन्हें पढ़ता रहेगा।

पीला भाग

''हम अपनी लाइब्रेरी में बैठकर भी पृथ्वी के सभी कोनों में घूम सकते हैं।''

जॉन लुब्बोक

सार्वजनिक पुस्तकालय वह स्थान है जहाँ स्थान और संभावना मिलते हैं।

स्टुअर्ट डाइबेक

''तुम्हें हथियार चाहिए? हम लाइब्रेरी में हैं। किताबें दुनिया का सबसे अच्छा हथियार हैं।''

रसेल टी. डेविस

विश्वविद्यालय एक पुस्तकालय के चारों ओर एकत्रित इमारतों का एक समूह मात्र है।

शेल्बी फूटे

एक पुस्तकालय एक छत के नीचे अनंत है।

गेल कार्सन लेविन

किसी घर में पुस्तकालय जोड़ना उस घर को आत्मा देना है।

सिसरौ

"कभी भी लाइब्रेरियन से बहस मत करोय वे बहुत कुछ जानते हैं।"

कैरोल नेल्सन डगलस

पुस्तकालय वह स्थान है जहां पीड़ित लोग मित्र ढूंढने जाते हैं।

तमोरा पियर्स

श्री असकरण दास
पुस्तकालय अध्यक्ष

पुस्तकालयों का महत्व

श्री गुलशन कुमार गेंदले
पुस्तकालय सहायक

पुस्तकालय हमेशा से ही किसी भी समुदाय का एक अनिवार्य हिस्सा रहे हैं। वे पुस्तकों,पत्रिकाओं, समाचार पत्रों और अन्य सामग्रियों तक पहुँच प्रदान करते हैं जो अन्यथा कई लोगों के लिए उपलब्ध नहीं होतीं।

पुस्तकालय सीखने, शोध और अन्वेषण के लिए भी एक स्थान हैं। वे एक सुरक्षित और शांत वातावरण प्रदान करते हैं जहाँ व्यक्ति पढ़ सकते हैं, अध्ययन कर सकते हैं और नई जानकारी खोज सकते हैं।

पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में से एक साक्षरता और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना है। पुस्तकालय एक ऐसी जगह है जहाँ लोग नई रुचियों की खोज कर सकते हैं और उन विषयों के बारे में जान सकते हैं जिनके बारे में उन्होंने पहले नहीं सोचा होगा।

इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय शैक्षिक संसाधनों, जैसे पाठ्यपुस्तकों और संदर्भसामग्रियों तक पहुँच प्रदान करते हैं, जो छात्रों को उनकी पढ़ाई में सफल होने में मदद कर सकते हैं।

शिक्षा में पुस्तकालयों की भूमिका

पुस्तकालय शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो शैक्षणिक संसाधनों तक पहुँच प्रदान करते हैं जो अकादमिक के लिए अपरिहार्य हैं। पुस्तकालय छात्रों को अध्ययन, पढ़ने और सीखने के लिए एक सुरक्षित और शांत वातावरण भी प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करते हैं, जैसे कि पुस्तक क्लब और कहानी समय, जो साक्षरता और आजीवन सीखने को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा, पुस्तकालय शिक्षकों और शिक्षाविदों के लिए एक संसाधन के रूप में काम करते हैं, जो पाठ योजनाओं और असाइनमेंट में इस्तेमाल की जा सकने वाली सामग्रियों तक पहुँच प्रदान करते हैं। लाइब्रेरियन इन संसाधनों को खोजने और उनका उपयोग करने में भी सहायता प्रदान करते हैं , जिससे वे किसी भी शैक्षणिक संस्थान का एक अनिवार्य हिस्सा बन जाते हैं।

निष्कर्ष रूप में, पुस्तकालय समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, सूचना तक पहुँच प्रदान करते हैं और साक्षरता और आजीवन सीखने को बढ़ावा देते हैं। जबकि प्रौद्योगिकी ने सूचना तक पहुँचने के हमारे तरीके को बदल दिया है, पुस्तकालय डिजिटल और ऑनलाइन संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने और अनुकूलन करना जारी रखते हैं।

शिक्षा में पुस्तकालयों के महत्व को पहचानना और उन्हें समर्थन देना जारी रखना आवश्यक है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे हमारे समुदायों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहें।

****

दोस्ती का अहसास

श्री मोरजध्वज जयसवाल
सहायक ग्रेड 3

दोस्ती का अहसास

दो दिनों की उमड़ती उमंग है दोस्ती
आकाश में उड़ती पतंग है दोस्ती
हर पल हर दिन एक नई जंग है दोस्ती
दो जवाँ दिलों की जरूरत है दोस्ती
जमीं पर भगवान की मूरत है दोस्ती
कितनी खूबसूरत, कितनी पाक है दोस्ती
जिन्दगी में कितनी खास है दोस्ती
दो टूटे दिलों के जीने की आस है दोस्ती
दो बिछुड़े दिलों को मिलाती है दोस्ती
जिन्दगी के अंतिम पलों में याद आती है दोस्ती
टूटे दिलों में जीने की उम्मीद जगाती है दोस्ती
जिन्दगी के सभी खूबसूरत पल है दोस्ती
जिन्दगी में कल आजकल है दोस्ती।

****

प्रेरणादायी वचन

श्री राकेश बघेल
सहायक ग्रेड 3

सिक्के हमेशा आवाज करते हैं मगर नोट हमेशा खामोश रहते हैं इसलिए जब आपकी कीमत बढ़े तो शांत रहिए आपकी हैसियत का शोर मचाने का जिम्मा आपसे कम कीमत वालों के लिए है।

आप कोई भी अद्भुत कार्य करो और लोग उसको नजर अंदाज करें तो निराश मत होना, क्योंकि सूर्योदय के वक्त कई लोग सो रहे होते हैं।

खुशियाँ हमेशा चंदन की तरह होती है, दूसरों के माथे पर लगाओ तो अपनी भी उंगलियाँ महक जाती हैं।

अच्छे लोगों की सबसे बड़ी खूबी यह होती है कि उन्हें याद रखना नहीं पड़ता, वो याद रह जाते हैं।

पिता की मौजूदगी सूरज की तरह होती है, सूरज गर्म जरूर होता है मगर यह न हो तो अँधेरा छा जाता है।

मुसीबत में ये मत सोचो कि अब कौन काम आएगा ? बल्कि ये सोचो कि अब कौन छोड़ के जाएगा।

इरादे मेरे हमेशा साफ होते हैं, इसलिए कई लोग मेरे खिलाफ होते हैं।

कुएँ में उतरने वाली बाल्टी यदि झुकती है तो भरकर बाहर आती है। जीवन का भी यही गणित है, जो झुकता है, वह प्राप्त करता है।

दादागिरी तो हम मरने के बाद भी करेंगे, लोग पैदल चलेंगे और हम कंधों पर। झुकते वहीं हैं जिनमें जान होती है, अकड़ तो मुर्दे की पहचान होती है।

****

कीमती विचार

श्री गौकरण यादव
सहायक ग्रेड 3

जीवन में कठिनाइयाँ हमें बर्बाद करने नहीं आती हैं बल्कि यह हमारी छुपी हुई सामर्थ्य और शक्तियों को बाहर निकालने में हमारी मदद करती हैं। कठिनाइयों को यह जान लेने दो कि आप उससे भी ज़्यादा कठिन हो।

सत्य को कहने के लिए किसी शपथ की जरूरत नहीं होती। नदियों को बहने के लिए किसी पथ की जरूरत नहीं होती, जो बढ़ते हैं जमाने में अपने मजबूत इरादों पर उन्हें अपनी मंजिल पाने के लिए किसी रथ की जरूरत नहीं होती।

रास्ते पर कंकड़ ही कंकड़ हो तो भी एक अच्छा जूता पहनकर उस पर चला जा सकता है लेकिन एक अच्छे जूते के अन्दर एक भी कंकड़ हो तो एक अच्छी सड़क पर कुछ कदम चलना भी मुश्किल है। अर्थात् हम बाहर की चुनौतियों से नहीं बल्कि अन्दर की कमजोरियों से हार जाते हैं।

भगवान का दिया कभी अल्प नहीं होता, बीच में जो टूटे वो संकल्प नहीं होता घर को अपने लक्ष्य से दूर ही रखना क्योंकि झील का कभी कोई विकल्प नहीं होता।

साँप घर पर दिखाई दे तो लोग डंडों से मारते हैं, और शिव. लिंग पर दिखाई दे तो दूध पिलाते हैं, लोग सम्मान आपका नहीं, आपकी स्थिति और स्थान का करते हैं।

बारिश की बूँदें भले ही छोटी हों लेकिन उनका लगातार बरसना बड़ी नदियों का बहाव बन जाता है वैसे ही हमारे छोटे–छोटे प्रयास भी जिन्दगी में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

जिन्दगी में तपिश कितनी भी हो कभी हताश मत होना क्योंकि धूप कितनी भी तेज हो समंदर कभी सूखा नहीं करते।

पानी की बूँद जब समुंदर में होती है जब उसका कोई अस्तित्व नहीं होता, लेकिन जब वो बूँद पत्ते पर होती है तो मोती की तरह चमकती है। आपको भी जीवन में ऐसा मुकाम हासिल करना है, जहाँ मोती की तरह चमको क्योंकि भीड़ में पहचान दब जाती है।

****

School Days ………………

Class Mein Masti Thi ,
Hamari Bhi Kuch Hasti Thi
Teacher Ka Sahara Tha ,
Dil Ye Awara Tha.
Kaha Aa Gaye is Duniya ke Chakkar Mein ,
Who School Hi Kitna Payara Tha …..

वर्षा ध्रुव
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र–2023–25--

Dosti ………………

Kisi ke Liye Dosti Saza Ban Jati Hain ………….
Ksi ke Liye Dosti Maja Ban Jati Hain …………
Par Jo Log Dil Se Dosti Karte hai Unke Liye…
Dosti Jeene Ki Wajah Ban Jati Hain……..

ईशा ध्रुव
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र–2023–25--

Belive ………………

A Bird Sitting On a Tree is never afraid of the branch breaking , because her trust is not in the branch but in in her own wings.

Always Believe in Yourself ……………

पदमा पैकरा
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र–2023–25--

जिंदगी --

छोटी सी जिंदगी हैं
हर बात पे खुश रहों।
जो चेहरा पास न हों उसकी
आवाज में खुश रहों ।
जो लौट कर न आने वाले ,
उनकी याद में खुश रहों।
कल किसने देखा हैं
अपने आप में खुश रहों।

तारणी ध्रुव
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
--सत्र–2023–25

----------------------------------Motivation

वक्त से लड़ कर जो , नसीब बदल दे इंसान वहीं जो अपनी तकदीर बदल दें।
कल क्या होगा कभी मत सोचों क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दें,,

कामिनी ध्रुव
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र–2023–25--

सुविचार--

कुछ लोगों को लगता हैं की कुछ लोग इत्तेफाक से इतने बड़ें बन गए हैं लेकिन उनकों ये पता नही की इत्तेफाक के लिए मेहनत की गलियों से गुजरना पडता हैं।

चंद्रिका ध्रुव
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र–2023–25--

Dosti ………………

Watch your thoughts they become words watch your words. They become action watch your actions , They become habit.

अश्लेंशा ध्रुव
कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर
सत्र–2023–25--

NEVER………………

Never regret a day in your life Good days give you Happiness, bad days give you experience , worst days give you lessons , and best days give you memories.

नीता पैकरा

कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर

--सत्र–2023–25

भारत

हौसंले बुलंद कर रास्तो पर चल दें.................

तुझे तेरा मुकाम मिल जाएगा,

बढ़कर अकेला तू पहल कर देखकर तुझकों ....

काफिला खुद बन जायेगा।

चित्रकला पैकंरा

कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र–2023–25--

--------------------------REASON

Everthing happens for a reason you may not see it now bat sooner our later, God will revral why He let things happen.

Always remember that His way is better than our ways. His will is beyond our will , put your trust in Him.

संजना ध्रुव

कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र–2023–25--

न बोलना बड़ी बात हैं और न चुप रहना बड़ी बात हैं............

मगर कब बोलना और कब चुप रहना .....

इसका विवेक रखना ही बड़ी बात हैं।

सहोद्रा

कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र–2023–25--

हमारा अस्तिव हमारे कर्म से हैं

किसी के नजरिये से नही ....

संध्या साहू

कक्षा– बी.एड. चतुर्थ सेमेस्टर

सत्र–2023–25--

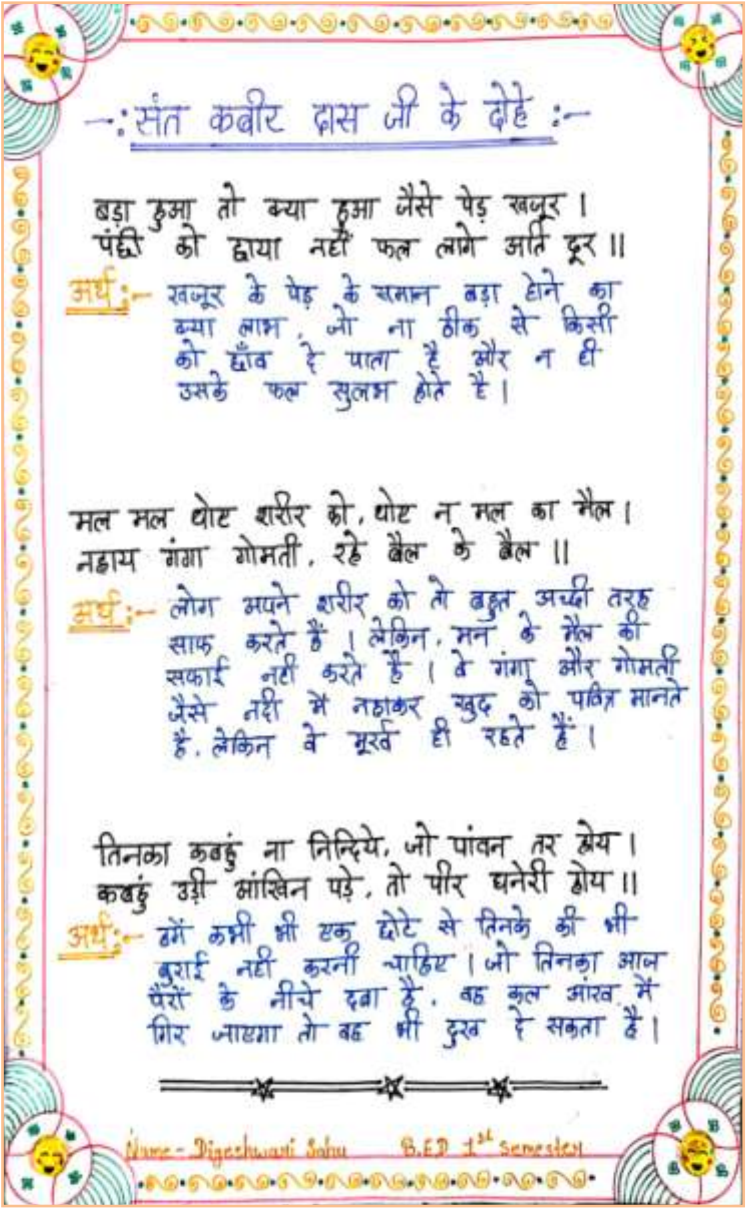

-: संत कबीर दास जी के दोहे :-

बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर।
पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर ॥

अर्थ :- खजूर के पेड़ के समान बड़ा होने का क्या लाभ, जो ना ठीक से किसी को छाँव दे पाता है और न ही उसके फल सुलभ होते है।

मल मल धोए शरीर को, धोए न मन का मैल।
नहाय गंगा गोमती, रहे बैल के बैल ॥

अर्थ :- लोग अपने शरीर को तो बहुत अच्छी तरह साफ करते हैं। लेकिन, मन के मैल की सफाई नहीं करते है। वे गंगा और गोमती जैसे नदी में नहाकर खुद को पवित्र मानते है, लेकिन वे मूर्ख ही रहते हैं।

तिनका कबहुं ना निन्दिये, जो पांवन तर होय।
कबहुं उड़ी आंखिन पड़े, तो पीर घनेरी होय ॥

अर्थ :- हमें कभी भी एक छोटे से तिनके की भी बुराई नहीं करनी चाहिए। जो तिनका आज पैरों के नीचे दबा है, वह कल आंख में गिर जाएगा तो वह भी दुख दे सकता है।

Name - Digeshwari Sahu B.ED 1st Semester

डिगेश्वरी साहू

कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर

सत्र–2024–26--

सुविचार --

जिंदगी में अगर कुछ खेना पड़े तो दो लाइन हमेशा याद रखना , जो खोया हैं उसका गम नही और जो पाया हैं वो किसी से कम नही जो नही हैं वो एक ख्वाब हैं और जो हैं वो भी लाजावाब हैं।

अनामिका ध्रुव
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2023–24

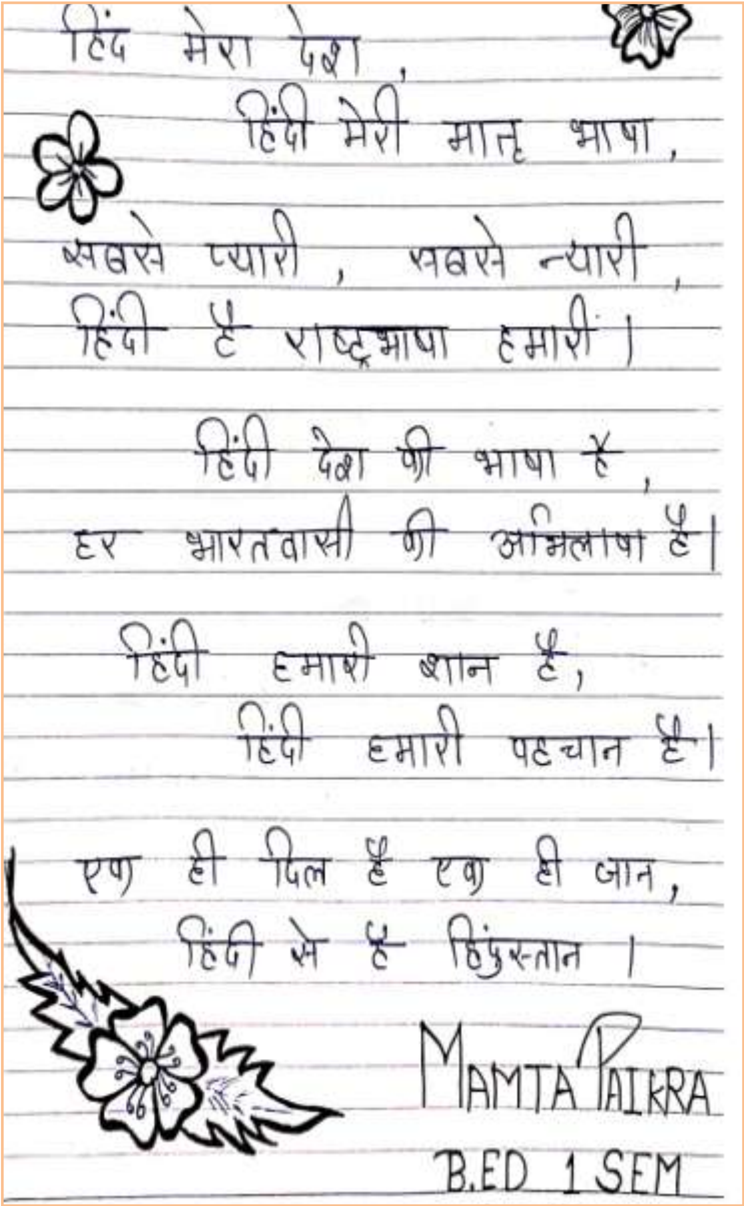

हिंद मेरा देश,
हिंदी मेरी मातृ भाषा,
सबसे प्यारी, सबसे न्यारी,
हिंदी है राष्ट्रभाषा हमारी।
हिंदी देश की भाषा है,
हर भारतवासी की अभिलाषा है।
हिंदी हमारी शान है,
हिंदी हमारी पहचान है।
एक ही दिल है एक ही जान,
हिंदी से है हिंदुस्तान।
MAMTA PAIKRA
B.ED 1 SEM

ममता पैंकरा
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

--**कविता**

छत्तीसगढ पर कविता

हमर भाखा हमर बोली
गुत्तुर हमर बानी हे
हमर छत्तीसगढ़ महतारी के
इहु एक चिन्हारी हे
नई झाकव में एति–ओती
देखव में एके कोती
जेती मोर जिनगानी हे
तोर भुइयां के खाय हन
चाउर अउ दार ओ
अउ सबो झन पिये हन पानी
आनी बानी के भाजी भाटा
अलकरहा हे अम्मट जिम्मीकांदा
पताल झोर के बात का काहव
तिखुर के अपन कहानी हें
बड़े बिहनिया दाई – बबा
जाथें खेत कमाय बर
मंझनिया के डोकरी दाई के बासी
गोंदली संग मिठाय हे
ठेंठरी खुरमी चीला, फरा
अइरसा , बरी अऊ नुनचर्रा
इही तोर अभिमान है
हरियर – हरियर खेत खार हे
हरियर हे बन अऊ भाठा
चारो कोती बगरे हे
रामचंन्द जी के गाथा हे
सरगुजा ले बस्तर ला लें लें
की रइगढ़ ले रइपुर
कोनो डाहर चल दे संगी
हमर रंग–रंग के चिन्हारी हे

महेन्द्र नारंगे

कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर

सत्र–2024–26--

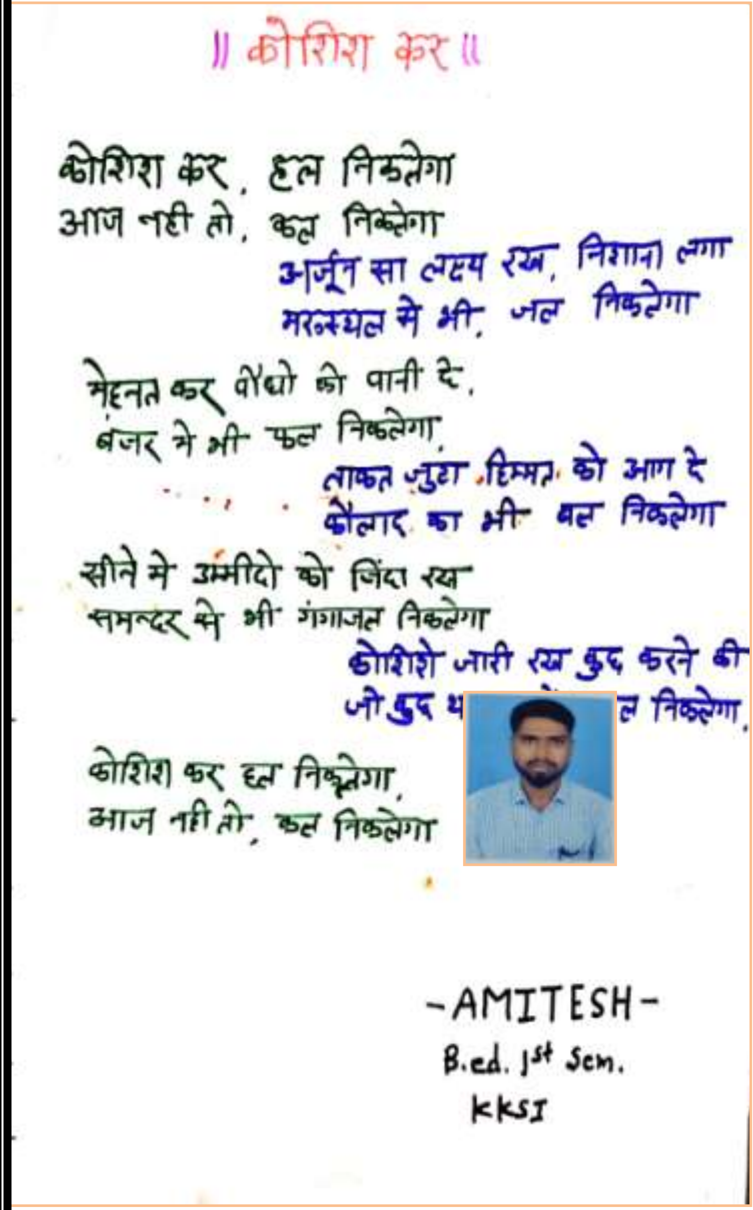

सुविचार ---

आदमी की मुस्कान एक तारें की टिमटिमाट जैंसी होती हैं।

जो हमेशा अपनी चमक दूसरों पर फैलाती हैं।

"Sprinkle of Water

Comes to enhance our beuty"

अल्का बर्मन
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

सुविचार ---

परिस्थिति बदलना जग मुमकिन न हो तो मन की स्थिति बदल लिजिये सब कुछ अपने आप ही ठीक हो जायेगा।

जीवन को समझना हो तो सबसे पहले अपने मन को समझों क्योंकि जीवन और कुछ नही .... बस हमारी सोच का साकार रूप हैं ....

जैसी सोच वैसा जीवन

"Sprinkle of Water

Comes to enhance our beuty"

ममता नाग
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

लघु कविंताए---

कल एक झलक जिंदगी को देखा
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी
फिर ढुंढा उसे इधर–उधर
वों आंख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी
एक अरसे के बाद आया मुझें करार
ते सहला के मुझो सुला रही थी
मैने पूछ लिया क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तुने
वों हंसी और बोली मैं जिंदगी हूँ
पागल तुझे जीना सिखा रही र्थी

मनोरमा लहरे
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

लघु कविंताए---

शिक्षा हैं जीवन की रौशनी
जो अंधकार को दूर करती हैं
शिक्षा हैं जन का अधिकार
जो मानव समझदार बनाती हैं।
शिक्षा से ही मानव का विकास होता हैं
और सपनों को पूरा करता हैं
शिक्षा से ही समाज का विकास होता हैं।
और मानव नया भविष्य बनाता हैं
शिक्षा ही मूल हैं
जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाती हैं ।
शिक्षा की शक्ति हैं
जो मानव को आत्मनिर्भर बनाती हैं।
आओ मिलकर शिक्षा को बढ़ायें
और भविष्य को उज्जवल बनायें।

मोहन वर्मा
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

सपनों में रख आस्था ---

सपनों में रख आस्था कर्म तू किए जा,
त्याग से ना डर आलस परित्याग किए जा।
गलती कर ना घबरा,
गिरकर फिर हो जा खड़ा।
समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे ।
रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,
जरूरत नही है किसी मुसीबत से घबराने की।
जो पाना है बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,
करता रह कर्म मगर साथ में खुदा की इबाबत भी कर ।
फिर देख किस्मत क्या क्या रंग दिखलाएगी,
तुझको तेरी मंजिल मिल जाएगी, मंजिल मिल जाएगी।

पूजा ध्रुव
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

कविता ---

जिस दिन दिल मिलते हैं
उस दिन हर हिन्दुस्तानी का दिल टुटा था।
जब हमारे जवानों से भरी बस कों आंतकियों ने बम से हमला किया था
हंस–खेल रहे थे वो संग में
पल भर में ही सबसे नाता तोड़ गए।
जाते जाते वो वीर जवान
सबके आंखों में आंसू छोड़ गए।
मां ने बेटा बच्वें ने पिता
सबने कुछ खोया था ।,
इंसान तो इंसान हैं ।
उस दिन आसमान भी रोया था

पुलवामा हमले में शहीद जवानों को शत–शत नमन

जानवी वर्मा
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

हौंसलों की उड़ान

मुंबई के एक पार्क में एक लड़का उदास बैठा कुछ सोच रहा था। वो किसी बात को लेकर दुखी था, बीच–बीच में वह रोने लगता और फिर कुछ सोचने लगता तभी एक बुजुर्ग पास में आकर बैठे और उस लड़के की उदासी का कारण पूछा।

लड़के ने बताया कि मैं बहुत परेशान हूँ, मैंने एक व्यवसाय किया था, जिसमें मुझे 10 लाख रूपये का नुकसान हुआ है। अब मेरे ऊपर 10 लाख रूपये का बैंक कर्ज है, मेरा मकान गिरवी पड़ा है, मेरी बूढ़ी माँ बीमार है, ऐसा लगता है कि दुनिया भी की परेशानी भगवान ने मुझे ही दे दी है। समझ में नहीं आता है कि अब मैं क्या करूँ।

बुजुर्ग ने उसकी बातें ध्यान से सुनी और फिर उन्होने अपने बैग से एक चेक निकाला और बोले, चलों मैं तुम्हारी परेशानी दूर कर देता हूँ। मेरा नाम जमशेदजी टाटा है और मैं भारत में सबसे धनवान व्यक्तियों में से एक हूँ। ये लो, मैं तुम्हें 10 लाख रूपये का चेक दे रहा हूँ। तुम इससे अपनी परेशानी दूर कर लो और फिर पैसे कमाकर एक साल में मुझे वापस कर देना। मैं तुम से अब ठीक एक साल बाद यही मिलूंगा और अपने पैसे ले लूँगा। इतना कहकर वो बुजुर्ग वहां से चले गये।

उसे लगा पल भर में उसकी सारी समस्याएं दूर हो चुकी थी। उसने जमशेद जी टाटा का नाम सुना था पर कभी देखा नही था। उसने सोचा कि जब अंजान व्यक्ति मुझपर भरोसा कर सकता हैं है तो मुझे खुद पर भरोसा क्यूँ नही हैं। उसने निश्चय कर लिया पहले वो चेक का इस्तेमाल नही करेगा और अपना पूरा प्रयास किया और सफल हुआ ।

सीख :– यदि कोई हम पर भरोसा करें तो उस काम को पूरे ईमानदारी से कोशिश करना चाहिएं सफल जरूर होगें। इस लिये कहावत हैं।

''मंजिल उन्हे मिलती हैं जिनके हौंसले में जान होती हैं। ''

एकता वर्मा
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

अच्छाई और बुराई

एक महात्मा ने एक दीवार पर बड़ा सा सफेद पेपर लगाया और मार्कर से उस पर एक काला डॉट , फिर सब लोगो से पूछा कि तूम्हें क्या दिख रहा हैं ? सब लोग बोले काला डॉट तब महात्मा बोले कमाल हैं। इतना बड़ा सफेद पेपर नजर नही आ रहा और छोटा सा काला डॉट नजर आ गया .... यही हाल आज सभी का हैं उन्हे किसी व्यक्ति की सारी जिन्दगी की अच्छाई नजर नही आती मगर उसकी अनजानी गलती को राई का पहाड़ तबा कर निचा दिखाना आ गया। ऐसा करने से कोई श्रेष्ठ नही कहलाता हैं।

श्रेष्ठ बनना हैं तो जोड़ना सीखों ....

तोड़ना नही।..................

रत्ना ध्रुव
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

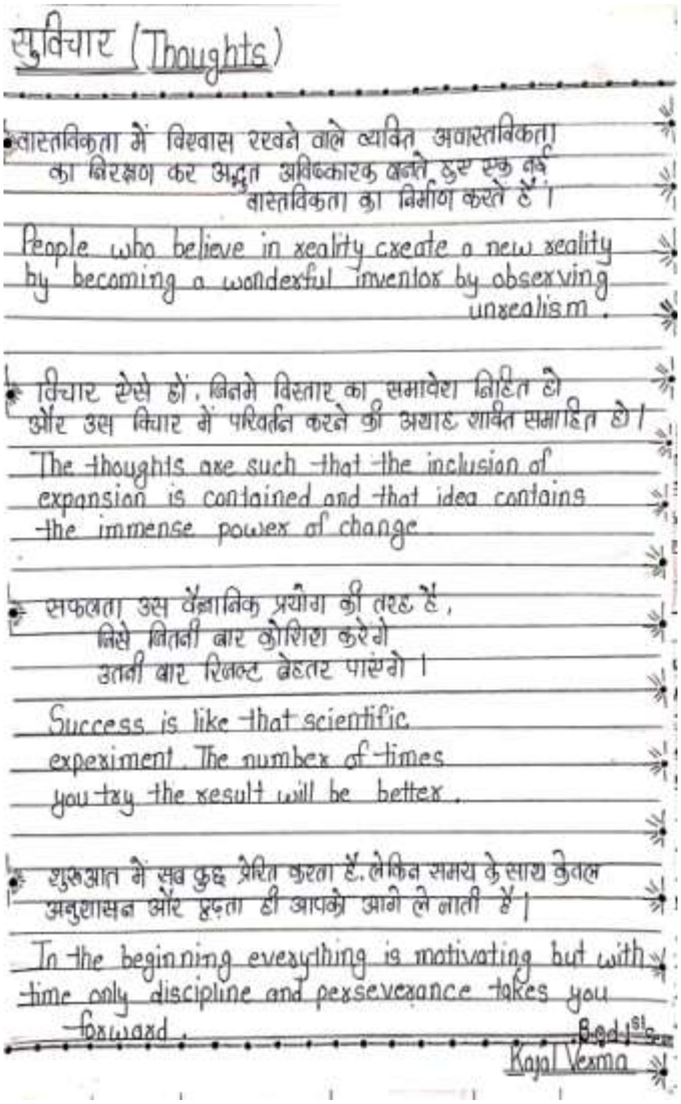

सुविचार (Thoughts)

• वास्तविकता में विश्वास रखने वाले व्यक्ति अवास्तविकता का निरक्षण कर अद्भुत अविष्कारक बनते हुए एक नई वास्तविकता का निर्माण करते हैं।

People who believe in reality create a new reality by becoming a wonderful inventor by observing unrealism.

• विचार ऐसे हों, जिनमे विस्तार का समावेश निहित हो और उस विचार में परिवर्तन करने की अथाह शक्ति समाहित हो।

The thoughts are such that the inclusion of expansion is contained and that idea contains the immense power of change.

• सफलता उस वैज्ञानिक प्रयोग की तरह हैं, जिसे जितनी बार कोशिश करेंगे उतनी बार रिजल्ट बेहतर पाएंगे।

Success is like that scientific experiment. The number of times you try the result will be better.

• शुरूआत में सब कुछ प्रेरित करता हैं. लेकिन समय के साथ केवल अनुशासन और दृढ़ता ही आपको आगे ले जाती हैं।

In the beginning everything is motivating but with time only discipline and perseverance takes you forward.

B.Ed 1st Sem
Kajal Verma

बुरी संगति परिणाम कहानी

किसी जंगल में एक वृक्ष पर एक कौआ रहता था। संयोग से एक हंस भी वहां आकर रहने लगा और कौवे से उसकी गहरी मित्रता हो गई। हंस को अपने मित्र कौए पर बड़ा विश्वास था कि वह उसे कभी धोखा नहीं देगा। एक दिन शिकार खेलते हुए एक शिकारी उस जंगल में आया और दोपहर को उसी पेड़ के नीचे विश्राम करने लगा जिस पर हंस और कौआ रहते थे। थकान के कारण शिकारी को गहरी नींद आ गई। थोड़ी देर बाद कौए ने बीट कर दी जो शिकारी पर जा गिरी और उसके कपड़े खराब हो गए।

कौआ बहुत धूर्त और चालाक था। उसे पता था कि जब शिकारी उठेगा और बीट देखेगा तो गुस्से में मुझे मार डालेगा। उसने यह बात हंस को नहीं बताई और उड़कर चुपचाप दूसरे पेड़ पर जा बैठा। जब शिकारी की नींद खुली तो उसने देखा कि किसी पक्षी ने उस पर बीट कर दी है। उसे बड़ा गुस्सा आया। उसने ऊपर की ओर देखा तो वहां पर एक हंस बैठा था। शिकारी ने अनुमान लगाया कि इसी दुष्ट हंस ने मुझ पर बीट की होगी। उसने अपने मन में कहा कि इसे अभी मजा चखाता हूं और अपना धनुष–बाण उठा कर हंस पर तीर चला दिया।

तीर लगते ही हंस बेचारा जमीन पर आ गिरा और तड़प–तड़प कर अपने प्राण दे दिये। हंस ने कोई अपराध नहीं किया था फिर भी उसकी जान क्यों चली गई? ऐसा उसकी बुरी संगति के कारण हुआ। उसने कौए जैसे धूर्त प्राणी से मित्रता की और उस पर विश्वास किया।

बुरे मित्रों की धूर्तता का परिणाम उनके नादान मित्रों को ही भुगतना पड़ता है।

तुलेश्वरी नेताम
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

एक छोटी सी चिड़िया की बड़ी उड़ान

एक छोटी सी चिड़िया थी। जिसकी नाम चचंल थी वह बाकी चिड़ियों से थोड़ी अलग थी। उसके पंख अन्य चिड़ियों की तुलना में छोटे थे। जब बाकी चिड़ियाँ आसमान में ऊंची उड़ान भरती थीं, तो वह जमीन के करीब ही उड़ पाती थी।

दूसरी चिड़ियाँ उसका मजाक उड़ाती थीं और कहती थीं कि वह कभी भी ऊंची उड़ान नहीं भर पाएगी। चिड़िया बहुत दुखी होती थी।

एक दिन, एक बुद्धिमान उल्लू ने उसे देखा और पूछा, हे छोटी चिड़िया, तुम इतनी उदास क्यों हो?

चिड़िया ने अपनी समस्या उल्लू को बताई। उल्लू ने मुस्कुराते हुए कहा, बेटा, तुम्हारे पंख छोटे हैं, यह सच है। लेकिन यह मत भूलो कि तुम्हारे पास एक बड़ा दिल है। तुम बहुत मेहनती हो।

उल्लू ने चिड़िया को बताया कि उसे अपनी कमजोरी पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपनी ताकत पर ध्यान देना चाहिए। उसने चिड़िया को हर रोज थोड़ा–थोड़ा करके उड़ान भरने के लिए कहा।

चिड़िया ने उल्लू की सलाह मानी और हर रोज थोड़ा–थोड़ा करके उड़ान भरने लगी। दिन–ब–दिन वह थोड़ा–थोड़ा करके ऊंची उड़ान भरने लगी।

एक दिन, उसने देखा कि वह आसमान में बहुत ऊंची उड़ रही है। वह बहुत खुश हुई। उसने महसूस किया कि वह अब किसी से कम नहीं है।

कहानी का संदेश :–

’ अपनी ताकत पर विश्वास करोरू हर व्यक्ति में कुछ खास होता है। हमें अपनी कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपनी ताकत पर विश्वास करना चाहिए।

’ कड़ी मेहनत का फल मीठा होता हैरू सफलता रातों–रात नहीं मिलती। हमें मेहनत करते रहना चाहिए।

’ दूसरों की बातों पर ध्यान न दें। हमें दूसरों की बातों को दिल पर नहीं लेना चाहिए। हमें अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

यह कहानी हमें सिखाती है कि हम सभी कुछ भी कर सकते हैं, अगर हम अपनी पूरी कोशिश करें।

तुलेश्वरी नेताम
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

कहानी

एक बार की बात हैं। किसी जंगल में एक कौवा रहता था। वो अपने जीवन में बहुत ही खुश था। क्योंकि उसकी ज्यादा इच्छाएं नहीं थीं। वह कौवा अपनी जिंदगी से पूरी तरह संतुष्ट था । लेकिन एक बार उसने जंगल में किसी हँस को देख लिया। और उसे देखते ही सोचने लगा। कि ये प्राणी कितना सुंदर हैं। ऐसा पक्षी तो मैंने पहले कभी नहीं देखा।

कौवे ने हँस को देखा

इतना साफ और सफेद । यह तो इस जंगल में ओरों से बहुत सफेद और सुंदर हैं। इसलिए यह तो अपने जीवन में बहुत ही खुश रहता होगा। और मैं कितना काला हूँ। तभी कौवा हँस के पास गया और पूछा, भाई तुम इतने सुंदर हों, इसलिए तुम अपने जीवन में बहुत खुश होंगे?

कौवे की बात सुनकर हँस ने जवाब दिया। हाँ मैं पहलें बहुत खुश रहता था। जब तक मैंने उस प्यारे तोते को नहीं देखा था। उसे देखने के बाद से लगता हैं कि तोता धरती का सबसे सुंदर पक्षी हैं।ष तुम्हारे और मेरे शरीर का तो एक ही रंग हैं। लेकिन तोते के शरीर पर दो दो रंग हैं। उसके गले में लाल रंग का घेरा और वो सुर्ख रंग का था। सच में वह तोता सभी पक्षियों से बेहद खूबसूरत था। और अब उसे देखकर मैं अपने आप से बहुत दुखी रहता हूँ।

कौवा तोते से मिला

अब कौवे ने सोचा, षकि हँस तो तोते को सबसे सबसे सुंदर बता रहा हैं। तो फिर उससे मिलकर उसे देखना होगा।

कौवा तोते के पास गया और पूछा, भाई तुम दो दो रंग पाकर जीवन में बड़े खुश होंगे? इस पर तोते ने कहा, हाँ मैं तब तक खुश था जब तक मैंने मोर को नहीं देखा था। मेरे पास तो दो ही रंग हैं लेकिन मोर के शरीर पर तो कई तरह के रंग हैं।

अब कौवे ने सोचा कि सबसे ज्यादा खुश कौन हैं? यह तो मैं पता करके ही रहूँगा। इसलिए अब मैं मोर से मिलूँगा।

कौवा मोर से मिला

कौवे ने मोर को जंगल में ढूंढा लेकिन उसे पूरे जंगल में एक भी मोर नहीं मिला। और मोर को ढूँढ़तें ढूँढ़तें वह कौवा चिड़ियाघर पहुँच गया। तो देखा कि मोर को देखने बहुत से लोग आए हुए हैं। और उसके आस पास अच्छी खासी भीड़ हैं। तभी सब लोगो के जाने के बाद, कौवा मोर के पास गया।

तो कौवे ने मोर से पूछा, भाई तुम दुनियाँ के सबसे सुंदर पक्षी हों। और तुम्हारे पंख भी रंग बिरंगे हैं। तुम्हारे साथ तो लोग फोटो खिंचवा रहें हैं। तुम्हें तो बहुत अच्छा लगता होगा। और तुम बहुत खुशनसीब हो कि तुम दुनियाँ के सबसे सुंदर पक्षी हों। तुम तो अपने जीवन मे हमेशा खुश रहते होंगे? तुम्हारा जीवन बहुत अच्छा हैं।

इस पर मोर ने बहुत ही दुखी होते हुए कहा, कि कौवे भाई अगर सुंदर हूँ तो भी क्या फरक पड़ता हैं। मुझे लोग इस चिड़ियाघर मे कैद करके रखते हैं। लेकिन तुम्हें तो कोई भी चिड़ियाघर में कैद करके नहीं रखता। और तुम जहाँ चाहों वहाँ अपनी मर्जी से घूम–फिर सकतें हों। इसलिए दुनियाँ के सबसे संतुष्ट और खुश पक्षी तो तुम्हें होना चाहिए। क्योंकि तुम आजाद रहते हों। यह कहकर मोर बहुत दुखी हुआ।

आखिर कौवे को समझ आ गया

मोर की बात सुनकर, कौवा बहुत हैरान रह गया। क्योंकि उसके उसके जीवन की अहमियत कोई दूसरा बता गया। अब कौवे को समझ आ चुका था, कि अपने जीवन की तुलना दूसरे से कभी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि दूसरे की थाली में घी ज्यादा ही नजर आता हैं।

कहानी से सिख :–

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं। कि हमें अपनी तुलना दूसरों से नही करनी चाहिए।

भावना साहू
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

सेल्फ हेल्प किताबों से प्रशंसा की भूख हमें अलग बनाती है

क्या है मानव व्यवहार का सबसे अहम नियम :– मानव व्यवहार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण नियम है। यदि हम उसका पालन करें, तो शायद ही कभी हमें समस्या का सामना करना पड़े। यह नियम है रू हमेशा दूसरे व्यक्ति को महत्वपूर्ण महसूस कराएं। महत्वपूर्ण होने की इच्छा मानव स्वभ. ाव की सबसे गहरी प्रवृत्ति है। मानव स्वभाव का सबसे गहरा सिद्धांत प्रशंसा की भूख है। यही वह प्रवृत्ति है, जो हमें जानवरों से अलग करती है। (हाउ टु मेक पीपल लाइक यू)

सचेत होकर जीवन जीने का अर्थ है आगे बढ़ना :– अधिक सचेत तरीके से जीने का अर्थ है कि हम जो भी करते हैं, उसमें पूरी तरह से मौजूद हैं। जब हम खड़े होकर बात करते हैं, तो हमें पता होता है कि हम खड़े हैं और बात कर रहे हैं। जब हम रोजमर्रा की अनगिनत गतिविधियां करते हैं, तो हम उन गतिविधियों में शामिल अपने अस्तित्व को याद रखते हैं। हम स्वयं को याद रखते हैं। सचेतन रूप से जीना, सचेत स्व–स्मरण के साथ जीवन में आगे बढ़ना है, जो कि बेहद जरूरी है। (लिविंग मोर कॉन्शियसली)

अपने एक कदम की शक्ति को कम न आंकिए आप जिस चीज को साकार करना चाहते हैं, उसके अनुसार कार्य करें। आपके आज के हालात आपके पिछले विचारों और विश्वासों का सीधा परिणाम हैं। यदि आप सोचने और कार्य करने के तरीके में बदलाव करते हैं और नई आदत को स्थापित होने का समय देते हैं, तो आपको भविष्य में अलग परिणाम मिलेंगे। ब्रह्मांड आपकी ओर से कदम उठाने की प्रतीक्षा कर रहा है। इसलिए एक कदम की शक्ति को कम मत आंकिए। (द आर्ट ऑफ मेनिफेस्टेशन)

अतीत को भुलाकर अलग भविष्य की संभावना पैदा कर सकते हैं :– अतीत को बदलने की एकमात्र जगह वर्तमान है। जीवन की घटनाओं पर नहीं, बल्कि उन घटनाओं की आपकी व्याख्या और उन्हें आकार देने के तरीके पर ध्यान केंद्रित करके, आप धीरे–धीरे उभरते हुए पैटर्न को देखना शुरू करेंगे। आपके जीवन को संचालित करने वाली मान्यताओं पर अंतदृ ष्टि आपको बताएगी कि चीजें एक निश्चित तरीके से क्यों होती हैं। कर्म हमारे चुनावों से उत्पन्न होता है। आप अतीत की तरह प्रतिक्रिया करने का चुनाव नहीं करते, तो अलग भविष्य की संभावना पैदा करते हैं।

डॉली लक्ष्मी
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

जब भारत आजाद हुआ था

जब भारत आजाद हुआ था
आजादी का राज हुआ था
वीरों ने कुरबानी दी थीद्य
तब भारत आजाद हुआ था

भगत सिंह ने फांसी ली थी
इंदिरा का जनाजा उठा था
इस मिटटी की खुशबू ऐसी थी
तब खून की आँधी बहती थी

वतन का जज्बा ऐसा था
जो सबसे लड़ता जा रहा था
लड़ते लड़ते जाने गयी थी
तब भारत आजाद हुआ था

फिरंगियों ने ये वतन छोड़ा था
इस देश के रिश्तों को तोडा था
फिर भारत दो भागो में बाटा था
एक हिस्सा हिन्दुस्तान था

दूसरा पाकिस्तान कहलाया था
सरहद नाम की रेखा खींची थी
जिसे कोई पार ना कर पाया था
ना जाने कितनी माये रोइ थी,
ना जाने कितने बच्चे भूके सोए थे,
हम सब ने साथ रहकर
एक ऐसा समय भी काटा था
विरो ने कुरबानी दी थी
तब भारत आजाद हुआ था

हेमा रात्रें
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

राज बनगे

राज बनगे– राज बनगे, देखे सपना धुआं होगे
चारों मुड़ा कोलिहा मन के, देखौ हुआं–हुआ होगे
का–का सपना देखे रिहिन पुरखा अपन राज बर
नइ चाही उधार के राजा, हमला सुख–सुराज बर
राजनीति के पासा लगथें , महाभारत के जुआ होगे ....
शेर–बघवा भालू–चीता हाथी के चिंघाड नंदागे
सत रद्दा रेंगइया मन के इतिहास ले नांव भुलागे
जतका ढोंगी जोगी– भोगी, तेकरे मन बर दुआ होगे
तिड़ी बिड़ी छर्री–दर्री, हमर चिन्हारी के परिमाषा
कला – साहित्य सबो जगा चील– कौवा के होगे
बासा बाहिर ले आये मन संतवंतीन,अउ घर के नारी छुआ होगे.
अरे कूदौ–फांदौ टोरौ–पोंछौ, काजर कस अंधरौटी ल ,
अपने खातिर बेलव – सेंकव स्वाभिमान के रोटी
ल खूब पेराये हो कुसियार बरोबर, सरबस छुहा– छुहा होगे

गेनेन्द्र कुमार ध्रुव
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

सुविचार

- इंसान की सोच ही, उसकी सबसे बड़ी पहचान है वरना दुनिया में एक नाम के अनेक इंसान है।
- यह कठिन है, इसका मतलब यह नहीं कि यह असंभव है।
- जिन्दगी हमेशा आपको दूसरा मौका देती है. इसलिए अपनी असफलता को खुद पर हावी ना होने दे।
- मेहनत की चाबी से ही खुलता है। सफलता का ताला
- घड़ी को मत देखो, जो वह करती हैं वही करों। चलते रहो।
- सफलता. खुशी की कुंजी नहीं है। खुशी सफलता की कुंजी है
- विनम्र स्वभाव के साथ ही हम ज्ञान की बातें सीख सकते हैं।
- आपकी सोच ही आपके भविष्य को आकार देती है।

मंजू साहू
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

किसी के गंतव्य में निस्वार्थ भाव से बिना किसी चाह उन्हें आश्रय देना आवश्यक हैं नाम की स्वंय को उनका लक्ष्य अपेक्षित करना।

मानसी वर्मा
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

–: छ.ग. कविता :–

कइसन – कइसन के जमाना आवत हे
उठत, बइठत सुतत जागत सुतत मोबाइल मा जम्मों घुसरत हें।

फैशन – फैशन कही कहीके
नान्हे – नान्हे चिरहा फटहा कपडा पहिन के
मटक–मटक के मोबाइल मा विडियों ला बनावत हे।.

संस्कार भुलावत है, संस्कृति भुलावत है,
अब के जुग मा दु लइका के महतारी मन मेकअप लगाए.
अठारह साल के दूरी जइसे दिखत हें।

अव लइका सियान बुढ़वा मन के का बतावाव बात ।
एक पउवा ला पियत है, ऊहू मन बउरावत हे।

केदे दाई, केंदे बाबू, केदे बहिनी
अहू ल भूल जावत हे देखव–देखव ओ दीदी हो
देखव –देखव गा भइया हो
कइसन – कइसन के जमाना आवत हें।

हिरेन्द्र कुमार
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
---सत्र–2024–26

बी रंजनी की कहानी

रजनी गुरू रामदास के समय में रायदुनी चंद की सबसे छोटी बेटी थी और एक धर्मनिष्ठ सिख थी, रजनी ने अपने पिता को भगवान के, उपहारो का श्रेय देकर नाराज कर दिया। रजनी के भक्ति से नाराज होकर उसके पिता ने उसे सजा के तौर पर एक मे कोड़ी से शादी करवा दी। रजनी और उसके कोठी पति भीख मांग कर अपना गुजारा करते थे रजनी ने अपनी कठिनाइयों के बावजूद भगवान पर अटूट विश्वास के साथ अपने मति की देखभाल की.।

एक दिन, भीख मांगते समय उसके पति ने एक चमत्कारी कुंड में एक काले कौवें को उड़ते हुए आकर उस कुंड मेंडुबते हुवें देखा जो बर्फ की तरह सफेद होकर निकनी और आसमान में में उड़ गई उस चमत्कारी कुंड में रजनी के पति ने स्नना किया और ठीक हो गयें। साखी कहती है कि जो लोग कभी भी भगवान पर विश्वास नहीं खोते चाहे उनके लिए भगवान कितनी भी कठिन परिस्थितियाँ क्यों न हो उन्हें अंत में भगवान द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा

मंजु रात्रे
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

–: सुविचार :–

- सबको गिला है
  बहुत कम मिला है... जरा सोचिए..
  जितना आपको मिला है, उतना कितनों को मिला है।
- इस दुनिया में असंभव कुछ भी नहीं हम वो सब कर सकते है, जों हम सोच सकते हैं। और हम वो सब सोच सकते हैं, जो आज तक हमने नहीं सोचा है!
- आज रास्ता बना लिया है, तो कल मंजिल भी मिल जाएगी। हौसलों से भरी यह कोशिश एक दिन रंग जरूर लाएगी।
- ख्वाहिशें क्यों ना छोटी हो मगर इसे पूरा करने के लिए दिल जिद्दी होना चाहिए।
- जिसके मन का भाव सच्चा होता है, उसका हर काम अच्छा होता है।
- जीवन में एक समय ऐसा आता है। जब व्यक्ति ये अनुभव करता है कि, दूसरे मनुष्यों की सेवा करना, लाखो जप–तप के बराबर है।
- शिक्षा और संस्कार जिंदगी जीने के दों मूल मंत्र हैं, शिक्षा कभी झुकने नहीं देगी। और संस्कार कभी गिरने नहीं देंगी ।।

जंयती सिदार
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

कहानी जादुई – पक्षी

एक समय की बात है, एक छोटे से गाँव में लिली नाम की एक युवा लड़की रहती थी। लिनी बहुत दयालु और उदार लड़की थी, जो हमेशा जरूरतमंद लोगों की मदद करती थी। वह अपने किसान माता–पिता के साथ रहती थी, और उनके पास एक छोटी सी खेत थी जहां वे फसल उगाते थे।

एक दिनः लिली खेत में चल रहीं थी, और उसने एक घायल पक्षी को जमीन पर लेटे हुए देखा। वह तुरंत पत्ती को उठाकर घर ले गई। उसने उस पक्षी को ठीक करके वापस जंगल में छोड़ दिया।

अगले दिन, पक्षी वापस आ गई और लिली की उसकी मेहरबानी के लिए धन्यवाद किया। उस पक्षी ने लिली से कहा की मैं एक जादुई पक्षी हूँ तुम्हें तुम्हारी इस मेहरबानी के लिए एक इनाम देना चाहती है।" लिली के मन में लालच जागा, और लिली ने किसी भी वस्तु को छुते ही सोना बन जाने का इच्छा जताई।

पक्षी ने उसकी इच्छा पूरी की और हर चीज जो वह छूती थी, सोने की होने लगी। शुरूआत में, लिली बहुत खुश थी और उसने अपने आसपास की हर चीज छूने लगी। लेकिन जल्द ही, वह समझ गई कि उसने गलती कर दी है।

एक दिन जब लिली, अपने छोटे भाई के साथ खेल रही थी, तो उसने उसे छू लिया और सोने का रूप दे दिया। यह देखकर वह बहुत दुखी हुई और समझ गई कि उसने लालच में आकर गलत इच्छा मांग ली। उसे अपनी गलती का एहसास हुई और पक्षी से अपनी इच्छा को लौटा देने की बात कही।

पक्षी उसके सामने आ गया और कहाँ, लिली, तुमने एक मूल्यवान सीख हासिल की है। उदारता सबसे मूल्यवान उपहार है। इसे माँगा या सोने से खरीदा नहीं जा सकता। याद रखो कि असली संम्पत्ति आपके आस पास के प्यार और खुशी में होती है।

उस दिन से लिली अपने परिवार के साथ सुखी और संतुष्ट जीवन जीने लगी। वह हमेशा अपनी सीख को याद रखती थी और जरूरतमंद लोगों की मदद करती रही, उसने कभी भी किसी को नुकसान पहुंचाने वाली कोई काम नही की।

(नैतिक कहानी) का सिध्दांत यह है कि असली धन दया और प्रेम में होता है, और भौतिक वस्तुएं कभी सुख नहीं ला सकतीं।

दुर्गा ध्रुव
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

सफलता की दुरी

एक लडका जो कि बहुत ज्यादा गरीब था वह बहुत मेहनत करने के बाद भी इतना धन इकट्ठा नही कर पा रहा था कि खुद का व्यापार शुरू कर सके इसलिए उसने महात्मा बुद्ध से पूछा की कामयाबी का राज क्या है।

महात्मा बुद्ध ने कहा ठीक है मैं तुम्हे इस बात का जवाब कल सुबह नदी के किनारे बताऊंगा लडका इसरे दिन नदी किनारे बताए गय समय पर पहुंच गया।

महात्मा बुद्ध नदी किनारे पहले से मौजूद थे महात्मा बुद्ध ने कहां तुम्हे नदी मे तब तक चलते जाना हैं जब तक पानी का स्तर तुम्हारे कंधों तक न आ जायें मैं भी तुम्हारे साथ चलुंगा मैं तुम्हे वही तुम्हारें सवाल का जवाब दुंगा ।

लड़के ने कहा ठीक है और वह नदी के पानी में उतर गया वह नदी में चला गया. और पानी ने उसके कंधों को ढक लिया तब महात्मा बुद्ध भी लड़के को पीछे से पानी में डुबोना शुरु कर दिया और उसके सर को पानी में डुबों दिया।

लड्का बहुत कोशिश करने के बाद भी नही निकल पा रहा था क्योंकि गौतम ज्यादा शक्तिशली हैं थोडी देर बाद गौतम बुद्ध ने लड़के को छौड़ दिया और लडका लेने पानी से बाहर निकलते ही तेजी सें सांस लेने लगा।

थोडी देर बाद लडका महात्मा बुद्ध से बोला क्या, आप मेरे प्राण लेना चाहते है तब महात्मा बुद्ध ने कहा मैं तुम्हारे सवाल का अब जवाब दूंगा जब तुम पानी में थे तब तुम्हारा दिमाग क्या सोच रहा था।

लड़के ने बताया कि मेरा दिमाग कुछ नही सोच रहा था मुझे बाहर निकल कर किसी भी प्रकार से बस सांस लेनी थी।

तब महात्मा बुद्ध ने बताया कि यदि तुम सफलता पनि का प्रयास इसी तीव्र इच्छा से करोगे जिस प्रकार तुम सांस लेने की कोशिश कर रहें थे तभी तुम्हे सफलता मिलेगी।

अनामिका लहरी
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
सत्र–2024–26

संघर्ष से सफलता तक

यह कहानी है एक बहुत ही प्रतिभावान लड़की की जिसका नाम है दिव्या। दिव्या एक ऐसी लड़की जिसने अपनी जिंदगी में सिर्फ और सिर्फ जीतना ही सीखा, जिसके सपने भी हमेशा से बड़े थे और हमेशा की तरह वह अपने सपनो को पूरा करने का दम भी भी रखती थी, उसकी अपनी जिंदगी में हमेशा ही सब कुछ अच्छा रहा।

अपने स्कूल से लेकर कॉलेज में हमेशा प्रथम आने से तक,अपने स्कूल और कॉलेज के समय में हमेशा दूसरे सहपाठियों के लिए एक आदर्श बनने तक का सफर हमेशा बहुत ही शानदार रहा। अपने घर परिवार में भी उसको सभी से बहुत प्यार सम्मान मिला। इस तरह अपने पि.रवार अपने दोस्तो के साथ उसकी जिंदगी बहुत ही अच्छे से चल रही थी।

दिव्या अपने सपने एक एक करके पूरे करती जा रही थी। लेकिन फिर उसकी जिंदगी में एक ऐसा मुकाम आया जो सामान्यत हर लड़की के जीवन में आता है। दिव्या के घरवालों ने उसकी शादी करा दी। बहुत ही धूम धाम से शादी हुई और दिव्या ने अपने नए शादीशुदा जीवन में कदम रखा, इस उम्मीद के साथ की उसके जो सपने शादी से पहले अधूरे रह गए थे वो अब पूरे होंगे। वह अपने जीवन साथी के साथ मिलकर अपने जीवन में और आगे बढ़ती चली जायेगी और जैसा जीवन वह चाहती थी अब वो और उसका जीवनसाथी साथ में मिलकर हासिल करेंगे।

लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दिव्या को बहुत ही पा.रंपरिक और दकियानूसी सोच रखने वाला जीवन साथी मिला,जिससे दिव्या किसी भी तरह के साथ की उम्मीद कभी कर ही नहीं सकी। शादी होने के बाद एक एक करके दिव्या के पैरो में परिवार की इज्जत और घर की जिम्मेदारी के नाम पर तरह तरह से जंजीरे बंधी जाने लगी। धीरे धीरे दिव्या को घर की जिम्मेदारी के नाम पर उसका खुद का अस्तित्व खोने पर मजबूर किया जाने लगा। एक एक करके दिव्या के सपनो का गला घोटा जाने लगा। ऐसे समय में दिव्या जो कभी अपनी जिंदगी में कामयाब होने का और जीवन में अपने दम पर कुछ हासिल करने का सपना देखा करती थी वह सिर्फ एक हालतों की शिकार हो कर रह गई। हर दिन वह खुद को कोसने लग गई, अपनी किस्मत को,और अपने भगवान को जिन्होने उसके साथ ऐसा किया।

एक खुशमिजाज लड़की जीवन के हर क्षेत्र में सकारात्मक दृष्टिकोण रखने वाली, अपने जीवन के हर पल को खुल कर जीने वाली लड़की

दिव्या, एक नकारात्मक नजरिया रखने वाली लड़की बनकर रह गई और इसी कारण उसके जीवन में कई सारी नकारात्मक चीजे एक के बाद एक होने लगी।

फिर कुछ समय बाद ही दिव्या ने एक नन्ही परी को जन्म दिया। वह नन्ही परी उसके जीवन में उम्मीद की एक किरण बन कर आई। इस नन्ही परी के आने के बाद दिव्या की जिंदगी फिर बदलने लगी। दिव्या अब अपनी नन्ही परी के लिए जीने लगी। धीरे धीरे दिव्या कब एक साधारण लड़की से एक ऐसी मां के रूप में बदल चुकी थी जो अपने बच्चे के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाए। उस नन्ही परी के आने के बाद दिव्या को यह एहसास होने लगा की वह अब एक और दिन ऐसा जीवन नही जिएगी। अगर वह खुद अंदर से इतना टूट जायेगी तो फिर वह अपनी नन्ही परी को एक अच्छा जीवन केसे दे पाएगी।

इसीलिए अब दिव्या ने अपने हक के लिए आवाज उठना शुरू कर दिया। फिर क्या एक एक करके सभी दिव्या के खिलाफ होने लगे यहा तक की खुद उसके जीवनसाथी ने उसका साथ छोड़ दिया, लेकिन तमाम संघर्षों, और विरोध के बाद भी दिव्या अपनी लड़ाई लड़ती रही, क्युकी अब दिव्या ने यह निश्चय कर लिया था की वह अपने और अपने बच्चे का जीवन को इस तरह से घुट घुट कर नही जीएगी। उसने फैसला किया की वह अपने आप को और अपने बच्चे को एक अच्छा जिंदगी देगी, जहा पर शांति और सुकून हो और खुल कर अपने विचारो को व्यक्त करने की आजादी हो। अपने जीवन को अपने अनुरूप जीने की आजादी हो।

दिव्या के यह निश्चय कर लेने के कुछ समय फिर धीरे धीरे दिव्या का जीवन भी सकारात्मक रूप बदलने लगा, उसे अपने जीवन के सभी कामों में सफलता मिलने लगी और दिव्या अपने जीवन में एक के बाद एक सफलता हासिल करने लगी।

अब दिव्या में एक ऐसी अंदरूनी शक्ति आ गई थी की दिव्या अपने साथ में हो रही चीजो को समझने लगी थी और हर स्थिति का सामना करने की हिम्मत उसे अपने ही अंदर से मिलने लगी थी।अब दिव्या पहले से बहुत ज्यादा खुश रहने लगी। और जीवन में सब कुछ बदलने लगा उसकी सफलता को देख कर उससे जलने वाले लोग कई तरह की बाते भी बनाने लगे परंतु अब दिव्या को परवाह नही थी किसी की क्युकी अब दिव्या ने अपने ऊपर भरोसा करके अकेले जीना सीख लिया था।

साक्षी बंजारे
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

ईडली बनाने की विधी

सामग्री

- 1 कप उड़द दाल
- 2 कप इडली रवा ६ चावल रवा

1 टी स्पून नमक

तेल ग्रीस करने के लिए

अनुदेश

1. सबसे पहले, एक बड़े कटोरे में 4 घंटे के लिए 1 कप उड़द दाल भिगोएँ।
2. पानी को छान लें और ब्लेंडर या ग्राइंडर में स्थानांतरित करें।
3. आवश्यकतानुसार पानी मिलाकर चिकना और रोएँदार बैटर के लिए ब्लेंड करें।
4. एक बड़े कटोरे में बैटर को स्थानांतरित करें। अलग रखें।
5. अब एक और कटोरे में 2 कप इडली रवा लें। अगर आपने उड़द दाल को पीसने के लिए ग्राइंडर का उपयोग किया है, तो 3 कप इडली रवा डालें क्योंकि उड़द दाल का बैटर बहुत नरम होगा।
6. इडली रवा को पर्याप्त पानी से धोएं और पानी को निकाल लें। अगर आपके पास इडली रवा नहीं है, तो कच्चे चावल की रेसिपी के साथ इडली देखें।
7. इसे 2 या 3 बार दोहराएं या जब तक पानी साफ न हो जाए।
8. इडली रवा से पानी निचोड़ें और उड़द दाल का बैटर में डालें।
9. अच्छी तरह से मिलाएं सुनिश्चित करें कि रवा और उड़द दाल को अच्छी तरह से संयुक्त किया गया है।
10. अब 8–10 घंटे के लिए या बैटर के किण्वन और दोगुना होने तक गर्म स्थान पर ढककर रखें और आराम दें।
11. 8 घंटे के बाद, बैटर दोगुना मौजूद एयर पॉकेट के साथ अच्छी तरह से किण्वित होने का संकेत देता है।
12. बैटर में 1 टीस्पून नमक मिलाएं और एयर पॉकेट्स को परेशान किए बिना धीरे से मिलाएं।
13. अब इडली प्लेट को तेल से चिकना कर लें।
14. तेल के साथ चिकना इडली प्लेट में बैटर डालें।
15. मध्यम आंच पर 10 मिनट के लिए या टूथपिक डालने से साफ बहार आता है तक स्टीमर और भाप में रखें।
16. अंत में, नरम इडली रेसिपी चटनी और सांभर के साथ परोसने के लिए तैयार है।

सुशीला साहू
कक्षा– बी.एड. प्रथम सेमेस्टर
--सत्र–2024–26

प्रेरणादायक श्लोक

◉ कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन भगवद गीता

अर्थ: अपने कर्म पर ध्यान दे, फल की चिंता मत करो।

◉ आत्मविश्वासी जीवन ही सफलता की कुंजी है।

अर्थ: खुद पर विश्वास रखो, सफलता तुम्हारी होगी।

◉ युद्ध क्षेत्र में जब हम हार की ओर जाते हैं, तो हमें अपने आत्मविश्वास को नहीं खोना चाहिए।

अर्थ: हार की स्थिति में भी आत्मविश्वास बनाए रखो।

◉ संघर्ष से जीतने वाला व्यक्ति ही सच्चा विजेता है।

अर्थ: संघर्ष से जीतना ही सच्ची जीत है।

Bharti Khute B.Ed. 1st

सफलता की प्रेरणादायक कहानी

एक व्यक्ति था जिसके जीवन में बचपन से ही समस्याएं हीं समस्याएं थीं. बचपन में ही उसके पिता की मृत्यु हो गई, जिस कारण कम उम्र में ही परिवार की जिम्मेदारियां उसके ऊपर आ गई. व्यस्क होने के बाद जब उसका विवाह हुआ तब जिम्मेदारियां और परेशानियों दोनों और अधिक बढ़ गई. इसी तरह उसके जीवन में परेशानियां लगी रहती. एक परेशानी के खत्म होते ही दूसरी शुरू हो जाती. इससे परेशान होकर व्यक्ति एक दिन एक प्रसिद्ध संत के पास पहुंचा.

व्यक्ति ने संत से कहा, बाबा मुझे अपना शिष्य बना लें. मैं जीवन से बहुत परेशान हो गया हूं और दुखी हूं. संत बोले ठीक है, तुम मुझे अपनी परेशानी बताओ. व्यक्ति ने कहा, बाबा मेरे जीवन में बहुत परेशानी है. एक समस्या खत्म नहीं होती और दूसरी शुरू हो जाती है. इस कारण में तन. ाव और दुखी रहता है और किसी काम में सफलता नहीं मिल पाती है.

बाबा ने कहा कि ठीक है, मैं तुम्हारी परेशानियों का हल बताता हूं. तुम मेरे साथ चलो. संत व्यक्ति को लेकर एक नदी के पास पहुंचे. संत ने व्यक्ति को नदी के किनारे खड़ा कर दिया और बोले हमें ये नदी पार करनी है. यह कहकर संत वहीं खड़े हो गए. व्यक्ति भी संत के साथ वहीं खड़ा हो गया.

थोड़ी देर बाद उसने कहा, बाबा हमें नदी पार करनी है तो हम यहां क्यों खड़े हैं? संत ने कहा हम नदी के सूखने का इंतजार कर रहे हैं. जब नदी सूख जाएगी तो हम इसे आसानी से पार कर सकते हैं. व्यक्ति बहुत आश्चर्य होकर बोला, बाबा आप ये कैसी बात कर रहे हैं, नदी का पानी कैसे और न जाने कब सूखेगा. हमें नदी को इसी समय पार करना चाहिए.

संत ने कहा, मैं भी तुम्हें यही समझाने के लिए यहां लाया हूं, कि जीवन में समस्याएं तो आती ही रहेंगी. हमें रुकना नहीं चाहिए बल्कि लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए, तभी हम उसे हल कर पाएंगे और आगे बढ़ पाएंगे. व्यक्ति को संत की बात समझ आ गई. उसने अपनी सोच बदली और उसी दिन निश्चय कर लिया कि परिस्थित कैसी भी हो, समस्या कोई भी हो उसका हल करते हुए सफलता की ओर आगे बढ़ना है.

प्रियल वर्मा
कक्षा– पीजीडीसीए
---सत्र–2024–25

सफलता की कुंजी

सफलता की कुंजी एक ऐसा चिराग है, जिसे हर कोई पाना चाहता है. लेकिन इसके लिए मेहनत, परिश्रम, धैर्य, बल, आत्मविश्वास, जैसी कई चीजें व्यक्ति में होनी चाहिए. सफलता को लेकर कई प्रेरणादायक कहानियां सुनने को मिलती हैं. हमारे आस–पास भी ऐसे कई सफल लोग होते हैं, जिनके संघर्ष की कहानी पढ़कर हम जीवन में सफल बनने के लिए प्रेरित होते हैं.

लेकिन कुछ लोग सफल होने के लिए सही वक्त का इंतजार करते हैं और रुके रह जाते हैं. अगर आप भी ऐसा सोचते हैं तो इस कहानी को जरूर पढ़ें. इस कहानी से यह सीख मिलती है कि सफलता को प्राप्त करने के लिए सही समय या फिर परेशानी के खत्म होने का इंतजार न करें और बुरी परिस्थिति का रोना न रोएं, ऐसा करने से सफलता हाथ से निकल जाएगी और आप वहीं के वहीं रह जाएंगे.

पावनरेखा जोशी
कक्षा– पीजीडीसीए
--------------------------------------सत्र–2024–25

SUCCESS STORY : एक गरीब छात्र जिसने मेहनत से पूरा किया पिता का सपना

समय बदलते देर नहीं लगती। बुरे दौर का हिम्मत और मेहनत से मुकाबला करें तो मुसीबतें खुद ही दूर चली जाती हैं। सोनू के पिता गंगा प्रसाद आईटीआई में छोटे पद पर काम करते थे। कमाई इतनी ही थी कि किसी तरह अपना और परिवार का पेट भर सकें, लेकिन आईटीआई में छात्रों को पढ़ते देख वे अपने सोनू के लिए सपने देखा करते थे। लेकिन उनकी दुनिया आईटीआई तक ही सीमित थी। उन्हें आईआईटी के बारे में पता भी नहीं था। सोनू पढने में होशियार था, लेकिन पटना के जिस सरकारी स्कूल में वह पढ़ता था, वहां शिक्षक रोज नहीं आते थे। उसके पास सारी किताबें भी नहीं थीं। लेकिन आत्मविश्वास भरपूर था।

पिता अपनी नौकरी के दम पर बड़ी मुश्किल से बच्चों के लिए किताब खरीद पाते थे। उन्हें हर साल इसके लिए कर्ज लेना पड़ता था। ऊपर से भाइयों के साथ पारिवारिक कलह भी अशांति का एक बड़ा कारण था। लेकिन सोनू को आईटीआई में पढ़ाने की उनकी हसरत कभी कमजोर नहीं पड़ी। सोनू भी इन मुश्किलों से जूझते हुए किसी तरह पढ़ाई करता रहा। आठवीं–नौवीं कक्षा में था तब भी वह रात को देर तक जगकर पढ़ाई करता रहता। उसकी यह धुन देखकर पिता मन ही मन खुश होते, लेकिन दिल में कचोट होती थी कि वे बेटे की पढ़ाई की सारी जरूरतें पूरी नहीं कर पा रहे थे।

वह जब दसवीं कक्षा में आया तो उसने पहली बार आईआईटी का नाम सुना। उसके बाद से उसने आईआईटी में ही पढ़ाई करने की ठान ली। किसी तरह दसवीं पास करने के बाद उसने पिता को आईआईटी के बारे में बताया तो उन्होंने पहली बार में ही मना कर दिया। उनके मन में तो आईटीआई बैठा था। फिर, आईआईटी की तैयारी और पढ़ाई में होने वाले खर्च की भी उन्हें चिंता थी। लेकिन बेटे की जिद के आगे उन्हें घुटने टेकने पड़े। खर्च की व्यवस्था के लिए उन्होंने घर के कई सामान बेच दिए।

इसी बीच सोनू को सुपर 30 के बारे में पता चला और एक दिन वह मेरे सामने था। बेहद शर्मीला और संकोची, लेकिन प्रतिभा से भरा हुआ। मैं पहली बार में ही उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह सका। क्लास में भी वह हर समय किताबों में ही उलझा रहता। उसकी एक खासियत दूसरे छात्रों से अलग थी, वह किसी सवाल को हल करने के पहले उसका कॉन्सेप्ट समझने की कोशिश करता। उसने तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ी। पिता का बिका हुआ घर और परिवार की गरीबी उसे हर पल याद रहते।

साल 2010 में आईआईटी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट आया तो सोनू की खुशी का कोई ठिकाना नहीं था। उसे आईआईटी, खडगपुर में प्रवेश मिल गया था। पिता ने पूरे मोहल्ले में मिठाई बांटी, यह बताते हुए उनके बेटे का आईटीआई में सिलेक्शन हो गया है। उसने जी–तोड़ मेहनत कर इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। इसी दौरान आईआईएम के बारे में पता चला तो अब वह उसकी तैयारी में भिड़ गया। इधर कैंपस प्लेसमेंट में उसकी नौकरी रिलायंस कंपनी में लग गई। दूसरी ओर, कैट परीक्षा में कामयाबी हासिल करने के बाद उसे आईआईएम में भी प्रवेश मिल गया। लेकिन अब यह फैसला नहीं कर पा रहा है कि परिवार की माली हालत सुधारने के लिए उसे नौकरी ज्वॉइन कर लेनी चाहिए या मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी कर बेहतर भविष्य के लिए कोशिश करनी चाहिए।

उसके पिता अब भी आईआईटी और आईटीआई के बीच का फर्क ज्यादा नहीं समझते, लेकिन इसका गुमान उन्हें जरूर है कि उनका खराब समय अब खत्म होने वाला है।

हालांकि, सोनू का संघर्ष अभी खत्म नहीं हुआ है। वह गरीब लोगों के लिए काफी कुछ करना चाहता है ताकि उसके जैसे दूसरे होनहार बच्चों को पढ़ाई के लिए इतना संघर्ष न करना पड़े। उसने मुझे से भी इस बारे में पूछा तो मैंने बस इतना ही कहा कि जो भी करो, दिल से करो। मुझे पता है कि सोनू कोई भी काम आधे मन से नहीं करता और ठान लेने पर कोई भी लक्ष्य उसके लिए चुनौती नहीं बन सकता।

शैलेन्द्र वर्मा
कक्षा– पीजीडीसीए
---सत्र–2024–25

जादुई जलपरी की कहानी

जादुई जलपरी की कहानी घृणा यानी नफरत एक ऐसा जहर है जो, किसी भी रिश्ते में अलगाव ला सकता है घृणा का असर द्विपक्षीय होता है जिसे, समझाने हेतु यह कहानी (moral stories in hindi) लिखी गई है मुझे पूरी आशा है कि, यह आपके ज्ञान चक्षु खोलेगी।

उमेश और विष्णु कई वर्षों से दोस्त थे दोनों के पिता रेलवे में नौकरी करते थे विष्णु भी अपने पिता की तरह रेलवे में नौकरी करना चाहता था इसलिए, वह रेलवे एग्जाम की तयारी कर रहा था वहीं उमेश का पढ़ाई में बिलकुल मन नहीं लगता था इसलिए, वह विष्णु का भी मन भटकाने की कोशिश में रहता था दरअसल, विष्णु उमेश की तुलना में, पढ़ाई में ज्यादा होशियार था इसी वजह से उमेश मन ही मन उससे घृणा करता था लेकिन, ऊपरी तौर पर वह, उसके दोस्त होने का दिखावा करना बखूबी जानता था

एक दिन उमेश विष्णु से पूछता है, "तुम सारा दिन पढ़ाई करते करते बोर नहीं होते?" विष्णु मुस्कुराते हुए कहता है कि, "यार जिंदगी में कुछ सार्थक लक्ष्य तक पहुँचने के लिए, मेहनत तो करनी ही पड़ेगी और फिर पढ़ाई करना मुझे बचपन से पसंद है भला मुझे, इसमें कैसी बोरियत महसूस होगी ?" लेकिन, उमेश पहले से ही बाहर घूमने की योजना बनाकर आया था इसलिए, वह विष्णु से कहता है कि, "आज मेरा जन्मदिन है और आज हमें बाहर पिकनिक पर चलना हैद्य तुम्हारा कोई बहाना नहीं चलेगा विष्णु अपने दोस्त को, उसके खास दिन पर नाराज नहीं करना चाहता था इसलिए, वह बाहर चलने को मान जाता है दोनों अपनी अपनी साईकिल से निकल पड़ते हैं

जलपरी की बात सुनकर, विष्णु को थोड़ा संदेह होता है लेकिन, उमेश की खुशी का ठिकाना नहीं था वह उछलते हुए नदी से बाहर नि. कलकर, खुशी से नाचने लगता है कुछ देर बाद दोनों वापस अपने घर पहुँचते हैं दोनों यह बात अपने घर के लोगों से छुपा लेते हैं उमेश को मन ही मन लग रहा था कि, विष्णु तो पहले से ही उससे बेहतर है वह उसके लिए क्या माँगे? वह विष्णु से कहता है, "तुम मेरे लिए बहुत सारी दौलत माँगो ताकि, उसकी आधी तुम्हें भी मिल जाए और मैं भी, तुम्हारे लिए उतनी ही दौलत मांगूंगा" विष्णु अपने दोस्त को समझाता है "धन दौलत तो हम बाद में भी कमा सकते हैं हमें कुछ और चीज माँगना चाहिए" लेकिन, उमेश उसकी बात नहीं सुनता मजबूरी में विष्णु को, उमेश की बात माननी पड़ती है और विष्णु के कहते ही, उमेश के पास दौलत का खजाना आ जाता है और शर्त के मुताबिक, उसका आधा विष्णु को भी मिल जाता है इतनी दौलत देखते ही, उमेश का दिमाग चकरा जाता है वह लालच में आकर सोचता है कि, "मैं तो अब धनवान बन गया क्यों ना, विष्णु से उसका सब कुछ छीन लिया जाए ताकि, वह मुझसे आगे न निकल सके" और वह जलपरी के दिए हुए पत्थर से, विष्णु को पूरी तरह से अपाहिज करने की कामना करता है और अगले ही पल, विष्णु पूरी तरह अपाहिज हो जाता है लेकिन, शर्त के अनुसार उमेश के शरीर का आधा हिस्सा भी, अपाहिज हो चुका था , विष्णु अपने दोस्त का छल देखकर दुखी हो जाता है।

उसे यकीन ही नहीं होता कि, उसका दोस्त उससे कितनी घृणा करता था जो, उसने पत्थर से यह माँगा, उमेश को सबक सिखाने के लिए, विष्णु अपनी दूसरी इच्छा में उमेश की सारी दौलत छीन लेता है। दौलत जाते ही उमेश, विष्णु के सामने गिड़गिड़ाते हुए कहता है कि, "मुझसे गलती हो गई, मुझे मेरी दौलत लौटा दो" लेकिन, तीर कमान से निकल चुका था, फिर भी, उसे रोते हुए देख, विष्णु उससे कहता है कि, "मैं तुम्हें अपनी सारी दौलत दे दूँगा लेकिन, पहले तुम मुझे पूरी तरह ठीक करो, दौलत मिलने की लालच में उमेश, पत्थर से अपनी दूसरी इच्छा में, विष्णु को पूरी तरह ठीक करने को कहता है और अगले ही पल, विष्णु पूरी तरह स्वस्थ हो जाता है लेकिन, परिणामस्वरूप उमेश अभी भी, एक तिहाई शरीर से अपाहिज ही रहता है, दोनों इच्छा पूरी होते ही पत्थर अपने आप गायब हो जाते हैं, तभी विष्णु वहाँ से उठकर जाने लगता है, उसे जाते देख, उमेश लंगड़ाते हुए उसके पास पहुँचता है और उससे उसके वादे के अनुसार, दौलत देने के लिए कहता है लेकिन, विष्णु उसे किनारे हटाकर, उसकी जिंदगी से हमेशा हमेशा के लिए दूर हो जाता है, दरअसल, उमेश के घृणा भाव ने विष्णु का दिल तोड़ दिया था। अपने दोस्त के जाते ही, उमेश को अपनी गलती का बहुत पछतावा हुआ। उमेश आज भी पश्चाताप की आग में जलते हुए, अपाहिजो की जिंदगी जी रहा है और इसी के साथ यह कहानी खत्म हो जाती है।

राहुल कुमार
कक्षा— पीजीडीसीए
सत्र—2024—25

समय एक नदी है

चिड़िया अगर दूर तक उड़ जाये तो
वह वापस लौट सकती है
हिरन अगर जंगल में भटक जाये
तो वह वापस घर पहुँच सकता है
आदमी अगर दिशा भूल जाये
तो वह अपने कदम पीछे खींच सकता है
लेकिन नदी कभी वापस नहीं लौटती
वह बहती जाती है
बहती जाती है
और बहती जाती है
समय एक नदी है
नदी का बहना दीखता है
किंतु समय का बहना दीखता नहीं
वह महसूस होता है
नदी जब उफान पर होती है
तो वह बहा ले जाती है
सब कुछ अपने साथ।
समय भी बहा ले जाता है अपने साथ
अनगिनत संस्कृतियाँ, सभ्यताएँ,
इंसान, भावनाएँ, संवेदनाएँ
और भी वह सब जो कुछ संसार में मौजूद है
नदी और समय दोनों की आदतें एक–सी हैं।

आकाश वर्मा
कक्षा– पीजीडीसीए
--सत्र–2024–25

सोशल मीडिया से तात्पर्य

'सामाजिक संजाल स्थल' (social networking sites) आज के इंटरनेट का एक अभिन्न अंग है जो दुनिया में एक अरब से अधिक लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है। यह एक ऑनलाइन मंच है जो उपयोगकर्ता को एक सार्वजनिक प्रोफाइल बनाने एवं वेबसाइट पर अन्य उपयोगकर्ताओं के साथ सहभागिता करने की अनुमति देता है।

प्रोफाइल का उपयोग अपने विचारों को साझा करने, पहचान के लोगों या अजनबियों से बात करने में किया जाता है। उदाहरण – फेसबुक, ट्विटर आदि इस संपूर्ण प्रक्रिया में वेबसाइट पर उपलब्ध उपयोगकर्ता की निजी सूचनाएँ भी साझा हो जाती हैं।

यह पूरी प्रक्रिया सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित होती है, जहाँ विभिन्न प्रकार के सॉफ्टवेयर का उपयोग किया जाता है। उपयोग के बहु–विविध तरीके और तकनीकी निर्भरता ने 'सामाजिक संजाल स्थल' को विभिन्न प्रकार के ख़तरों के प्रति सुभेद्य किया है।

सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव

सोशल मीडिया दुनिया भर के लोगों से जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है और इसने विश्व में संचार को नया आयाम दिया है।

सोशल मीडिया उन लोगों की आवाज बन सकता है जो समाज की मुख्य धारा से अलग हैं और जिनकी आवाज को दबाया जाता रहा है।

वर्तमान में सोशल मीडिया कई व्यवसायियों के लिये व्यवसाय के एक अच्छे साधन के रूप में कार्य कर रहा है।

सोशल मीडिया के साथ ही कई प्रकार के रोजगार भी पैदा हुए हैं।

वर्तमान में आम नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिये सोशल मीडिया का प्रयोग काफी व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।

कई शोधों में सामने आया है कि दुनिया भर में अधिकांश लोग रोजमर्रा की सूचनाएँ सोशल मीडिया के माध्यम से ही प्राप्त करते हैं।

सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव

कई शोध बताते हैं कि यदि कोई सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक प्रयोग किया जाए तो वह हमारे मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है और हमे डिप्रेशन की ओर ले जा सकता है।

सोशल मीडिया साइबर–बुलिंग को बढ़ावा देता है।

यह फेक न्यूज और हेट स्पीच फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सोशल मीडिया पर गोपनीयता की कमी होती है और कई बार आपका निजी डेटा चोरी होने का खतरा रहता है।

साइबर अपराधों जैसे– हैकिंग और फिशिंग आदि का खतरा भी बढ़ जाता है।

आजकल सोशल मीडिया के माध्यम से धोखाधड़ी का चलन भी काफी बढ़ गया है, ये लोग ऐसे सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ता की तलाश करते हैं जिन्हें आसानी से फँसाया जा सकता है।

सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है।

पियांशु धर्मानी
कक्षा– डीसीए
---सत्र–2024–25

हसदेव जंगल

पेड़ काटोगे तो हवा घटेगी,जल हो जायेगा गुम,
मानव तेरे पतन का,चहूँ ओर होगा धूम ही धूम।
कहीं लुप्त हो जाएगा,यह प्रकृति का सुंदर चित्र,
मनुष्य मारे पैर में कुल्हाड़ी,यह कार्य है विचित्र।
वक्त की यही है आवाज,विश्व को भी बताना है,
जग के अस्तित्व के लिए,हसदेव को बचाना है।

ऐश्वर्य पूर्ण जीवन में,माटी–पुत्र कहीं खो गया,
वन को काट कर, 'इमारती पलंग' में सो गया।
पुछता है 'अकिल',क्या कोयला ही खजाना है?
जग के अस्तित्व के लिए,हसदेव को बचाना है।

यकीनन वनांचल के लोगों का,पहचान है वन,
पेड़ से मिले शुद्ध वायु,स्वस्थ होता है तन–मन।
जंगल की शान है,जीव–जंतुओं का हलचल,
वन से लोगों को मिलता है,रोजगार हर–पल।
जान कर भी अंजान है,देखो कैसा जमाना है?
जग के अस्तित्व के लिए,हसदेव को बचाना है।

विद्युत तो और भी तरीके से बन जाएगा,
लेकिन यह अनमोल पेड़,कौन बनाएगा?
शुद्ध हवा के अभाव में,हर जीव मर जाएगा,
इंसान के अभाव में,पृथ्वी को कौन बचाएगा?
युवा शक्ति की आवाज है,हर पेड़ को बचाना है,
जग के अस्तित्व के लिए,हसदेव को बचाना है।

छ.ग.हो रहा है तबाह,कृपया इसे बचाईए,
हसदेव की रक्षा के लिए,सभी आगे आईए।
है निवेदन,सभी जगह मे आंदोलन छेड़ दो,
'हसदेव' के विरूद्ध,हर कदम को खदेड़ दो।
प्रकृति है हमारी पहचान,बस यही समझाना है,
जग के अस्तित्व के लिए,हसदेव को बचाना है।

वक्त रहते,वक्त का किजीए सम्मान
हसदेव है धरोहर,हसदेव है पहचान।
अब नहीं तो,कब तो सुधरेगा इंसान?
'हसदेव' मुहिम का संभालिए कमान,
उठकर देखिए गौर से,साथ मे संपूर्ण जमाना है,
जग के अस्तित्व के लिए,हसदेव को बचाना है।

आरती
कक्षा– डीसीए
--सत्र–2024–25

पईसा

पईसा बर मरत हे दुनिया
बेचावत हे खेत, बेचावट हे भुइंया
सुन्ना होगे कुटिया, भूलगे छैय्या भुइयां
पईसा बर मरत हे दुनिया

पईसा मा तऊ लत हे तन ला
पईसा लड़वावत हे सबो झन ला
पईसा बर मरत हे दुनिया

नाथ के नाव मा मंगात हे दान
नौ दो ग्यारह होवात बिहान
पईसा बर छुटत हे परान
वाह रे ! इंसान तोर अईसन काम
जतके मिलत हे टतके लान
पाई सा बर छूटत हे परान

झूठ बर अड़े हे बनके छारिया
सादा ह सनाके होगे पूरा करिया
पईसा बर मरत हे दुनिया

अंशु
कक्षा– डीसीए
--सत्र–2024–25